नाटिक
१

॥ॐ॥ॐनमः॥श्रीपार्श्वनाथायनमः॥अथनाटकसमयसारभाषाकविबनारसिदासकृतिरभते॥
॥सवैया॥ऊंझराकीचालि॥एकतीसा॥॥पार्श्वनाथकीस्तुतिः॥॥करमतरमृगतिमिरहर
नषगउरगलखनपगमिवमगदरसी॥निरषतनयननविकजलवरषतहरषतअमित॥
नविकजनसरसी॥मदनकदनजितपरमधरमहितसुमिरतसगतिलगतिसवकरसी॥सज
लजलदतनमुकुटसपतफनकमतदलनजिननमतबनरसी॥१॥सर्वत्रघुएकस्वरवि
त्रउणय॥॥पार्श्वनाथस्तुतिः॥॥सकलकरमथलदलनकमठमठपवनकनकनग॥धवल॥
परमपदरमनजगतजनअमलकमलषग॥परमतजलधरपवनसजलघनसमतनसम॥
मकरपरअघरजहरजलदसकलनतजननवसयहरजमदलननरकपदछयकरन॥
अगमअतरसवजलतरनवरसबलमदनवनदरदहनजयजयपरमजिनयकर
न॥२॥सवयाएकतीसा॥॥पार्श्वनाथस्तुतिः॥जिनकेवचनउरधारतयुगलनागसएधर
निरषुमावतीपंलकमेजाकीनामसहिमासोकुधातुकनककरेपारसपाषानमांतयु
रेषलकमेजिनकीजनमपुरीनामकपनीवहमअपनोसरूपलषातानसोलकम॥
नईधनुपारसमहारसकूदात॥अचुरीजमाहिसाताडिगलीलाकीललकमे॥३॥स्तुति
स्तवसिद्धकीस्तुतिः॥अविनासीअविकारपरमरसधामहैसमाधानसरवगमहजअ
हैसुबुधबुधअविरुद्धअनादिअनतहैजगतसिरोमनिसिद्धसदाजयवंतहै॥४॥सवयाए

१ जिराव

तीसा॥॥सुबुधस्तुतिः॥॥ज्ञानकोउजागर सहजसुषसागर सुगनरतनागर विरा
गरमनस्योहै सरनकीरीतिहरमरनकोसेनकरैकरनसोपा॥विदचरनअनुसरयोहै।
धरमकोमरमण सरमकोविहरुनएरमनरमकेकरममोलस्योहै॥असामुनिराजसु
अलोकविराजमान निरषिबनारसीनमसकारकरयोहै॥५॥सवयाएकतीसा॥॥स्तु
तिः॥नेदविज्ञानजुगपजिनकेघरसीतलचित्तसयाजगावदनाकलिक
मिवमारगमें जगमाहिजिनसरकलुघुनदनासत्सरूपसदाजिनकेपगडोअवदात
मिथ्यातमिकरदनासतदसानिरुकीपहिचानिकरकरिजोरिवनारसीवदन॥६॥पुन
॥सवयाएकतीसा॥॥सारसमकमावे परमारथमरावे चितमावे
मावेवनकरेमावेजैनमतहैकारुकेविरुदीनादि परजाइबुद्धिनादि भ्रातमगवषी
गहलेरेनजतीहै मिथ्यिकाद्दिदृष्टिसंघरमेप्रगटसदा अंतरकोउजासो अयाचो तसैप
तीहै रामचगवंतकेउरोहैजगतेसुषियासरीवअनुभवजोवसमकतीहै॥७॥पुनः
॥सवयाएकतीसा॥॥नाकघटप्रगटविवेकगणधरको मोहरदूर
विमहामोहकोहरतुहै सोवोसुषमोनिजमहिमाकोजाने आषुदीमअपनोसत्ता
उधरतुहै जैसेजलकईमकुलकफूलजिनकरतेसोजीकमलीवविलेसैनकरतुहै अतम
सगतिमाधेज्ञानकोउदाअराधेसोईसमकतीनवसागरतरतुहै

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

नोको सार पंचामृतको कोररे॥ अनुलोकरमतोरे परम मोघीति जोरे अनुलो ममानन
धरमको ऊओरहे॥१९॥ अथ षटद्रव्यवर्णन॥ दोहरा॥ जीवद्रव्यथा॥ चेतनवंतअन
तगुन॥ पर्यायसकतिअनंत॥ अलखअछेदीअभेदीसर्वगत॥ जीवदरवविरतंत॥२०॥ अथपु
द्गलद्रव्यथा॥ दोहरा॥ फरसवर्णरसगंधमय॥ नरूपासंठान॥ अनुरूपी॥ पुद्गलदरव
तनपरदेशापरवान॥२१॥ अथधर्मद्रव्य॥ दोहरा॥ जैसेमत्तिलसमूहमें॥ करेमो॥ गतिकर्म॥
तेसंपुद्गलजीवको॥ चलनमहाईधर्म॥२२॥ अथअधर्मद्रव्यथा॥ दोहरा॥ जेणथितिकरीष
प्रसमें॥ जेवेठायामादित्पोअधर्मकीलहमें॥ जरुचेतनवदराहि॥२३॥ अथआकाश
द्रव्यथा॥ दोहरा॥ संततजाकेउदरमें॥ सकलपदारथवास॥ जोलोजनसबजगतको॥ सोईद
रवआकास॥२४॥ अथकालद्रव्यथा॥ दोहरा॥ जोनवकरिजीरनकरे॥ सकलवस्तुथिति
दानि॥ परावर्त्तनवर्त्तनधरो॥ कालदरवसोजानि॥२५॥ अथनवतत्त्ववर्णनं॥ दोहरा॥ जीवतत्त्वथा॥
समतारमताउरधता॥ पायकतासुखलाभ॥ वरकताचेतनता॥ एसवजीवविलास॥२६॥
अजीवतत्त्वदोहरा॥ तनतामनतावचनता॥ जरुताजमसमलाघुतागुरुतागमनता॥ एस
जीवकषेल॥२७॥ अथपुन्यतत्त्वथादोहरा॥ जोविसुद्धसाधनिवंध॥ अरुऊरधमुखहोइ
जोसुखदायकजगतमें॥ पुन्यपदारथसोइ॥२८॥ अथपापतत्त्वथा॥ सकलेसना
वनिवंधे॥ महजअधमुखहोइ॥ दुखदायकसंसारमें॥ पापपदारथसोइ॥२९॥ अथआ

३

जोईकरमउदानथरि होइक्रियारसपन्न करथेनूतनकरमको सोई
आस्रवतत्त्व
जोउपयोगमरूपथरि वरतेजागविरत्त
रोकैआवतकरमको सोहेसंवरतत्त्व
आकरम करिथितिपूरनभोइ वरिवेकोउदितलयो सोनिर्जरातत्त्व
जोनवकरमपुरानसो मिलेगंठि दिढहोइ सकतिवढावेवंशको
वंधपदारथसोइ
थितिपूरनकरिजोकरम खि
रैवंधपदलानि इसआसउकलकरे मोक्षतत्त्वसोजानि
नावपदारथम
मयधन तत्त्वविनमुरदृष्टिनचरयहलादिलक्ष वस्तुनामएसर्व
परमपुरुषपरमेसरपरमजोतिपरब्रह्मपूरनपर
मपरधनदे अनादिअनंतअविगतअविनासी अजनिरुदमुकुतमुकुरअमलानदे
निराबाधनिरागमनिरंजनाहेरविकारनिराकारसमारमिरामनिमुजानदे सरवरसो
सरवरूपसिद्धसोईसिवधनी नाथइसेजगदीसतमानहे
विदानदचेतनलखेजीवसमेसारबुधरूपअनुभवतत्त्व
हजपयोगीहे चिद्रूपमयचिनमूरतिधरमवंतप्रानीजतूनतसवलोगीहे गुनधा

नाटिक
४

रीकलाधारीनेषधारीविद्याधारीअंगधरीसंगधरीजोगधरीजोगीहै विनमेऊषंफरै
सऊरुरज्ञानमरामकरमकोकरतारपरमवियोगीहै
घविहायऊंवरगगन अंतरिक्षजगधामव्योम वियतनभनघपथ एत्रा
कासकेनाम जमकृतांतअंतकत्रिदशा आवली
मृतघान प्रानहरनऊारितनय कालनामपुरजान
पुन्यसुकृतऊरधवदन अकररागसुतकर्म सुखदायकसंसारफल लागनहिसुष
धर्म पापअघोमुषएनअघ कंपरोगदुषधाम कलिलक
लुषकिल्बिषदुरित असुलकर्मकिनाम सिद्धिवनत्रिसु
वनमुकुर सिवमुक्तअक्षिवलधान मोषमुकुतिवेकुंठमिव पंचमगतिनिरवान
पुण्यश्रियरासमुषी श्रीमधामनिबुद्धि सुरतमनीषाचेत
निपुनविचक्षण
ना आसय ब्रंमविमुढि कला
विबुधबुध विद्याधरविद्वान पटुप्रवीनपंडित चतुर सुधीसुजनमतिमान
वंतकोविदऊसल सुमनदक्षधीमंत ग्यानामज्ञनबुल्लविर तप्पगुनीजनसंत
मुनिमहंतातपसतपा निरुकचारितधाम जतीतपोधन ४
संयमी व्रतीसाधुकथिनाम दरसविलोकनिदर्षनो

अवलोकनिहिगवालिलषनिहृहिनिरषनिजचनिविनवनिचारनिनालु ॥४७॥ अघज्ञा
नकनामानघाचारित्रकनाम ॥ ज्ञानबोधअवगमसुकृतजगतसानजगजांनसंयमचा
रितआचरनाचरनवनिश्चिरवान ॥४८॥ अघमासनकनाम दा ॥ समकमतअमोघमत
निमंदेदनिरधारीकयधारधृतचितघृ मिथ्याआदिआचार ॥४९॥ अघकृतकनाम
॥ अयथारथमिथ्याहृषा दृषाअसतअलीकमुधामोघनिःफलवितथ अनुचितअमत अतीक
॥५०॥ इतिश्रीनाटकसमयसार मध्यनाममालासूत्रनिका ॥ अथसमयसारकृतादारा
तमवर्णनंनाम दामनेयात्रा ॥ जीवनिरजीवकरताकरमपुनपापआश्रवसंवरनिरजरा बं
धमोक्षे सरवविशुद्धिस्यादवादमाधिमाधकहुआदमडुआरधरेसमेसारकोषेदरवानि
योगदरवानुयोगदूरिकरिनिगमकोनाटकपरमरसपोषदे सोपरमागमवनारसीवधा
नियोमेग्यानकोनिदानअनुहवारितकीचोषदे ॥५१॥ अथयथारथनकोनमस्कारदादश ॥ सा
सितनिजअनुभवनिजुतचिदानंदसगवानसारपदारथआतमा मकलपदारथज्ञान
नामाकारमचेयाद्या ॥ जो अघूनोऽनिआधुविराजितहैपरमनपदारथनामी सोसिवरू
पनमेमिवथानकतादिविलोकिनमेंसिवगामी ॥५२॥ जिनवांनीचरननसेया ॥ जोग
ग्रेररहेजोगसोनिजअनंतगुनानमकवरनज्ञानी तासुहदेहरुसे निकसीसरितासमृकै
अनमिथुममानीयानअनंतनयातमलरुनमतसमरूपसिद्धतवयानी बुद्धिलषनउ

+ चेतनअंकसदानिकलंकमरूसुषसागरकोविसरामी जीवअजीवदुजितेजगमेंतिनकोगुनगायक
अंतरजामी + उजीवरूं.

चेडुरबुद्धिसदाजगमाहिजगेजिनवोनी॥५॥अबजीवअरतिरमुतो॥लणयछंद कवित्त
वस्माकअबन॥होनिहचेतिहकालमुहचेतनमयमूरति॥परपरनतिसंजागलईजफनाविमहम
रति॥मोहकर्मपरहेतुपाइचेतनपररचइजोधनूररमपानकरतनरबहुविधिनचई॥अब
समयसारवर्नानकरतपरमसुहताहाउमुऊअनयासवनारसिदासकहिमिटोमहजनम
कीअरऊ॥५॥समयसार॥अागमअबचलाकअन॥निहचेमेरूपएकविवहारमेअनेक
आहीतेविरोधमेंजगतनरमायोहे जगकेविवादनासिवेकोजिनअागमहेजामेंमाहवाद
नामलक्षनसुहायोहे दरसनमोहजाकागयोहेमहजरूपअागमप्रवानताकेहिरदेमेंअा
योहे अनेमोअर्थकिंअहतनअचलजअछमापदअरनुरतिनिअछहे॥५॥अबअ
निअावेवहारकवनसेयाअा॥जोनरकाऊगिरेगिरिमोतेहिमोईहितजुगहेदिहजोहो
मोबुधकोविवहारलखोतवजोजवूजोमिवपापतिनाहीयद्यपियोपरवानतथापिसर्प
रमारअचेतनमाहीजीवअमापकहेपरमोविवहारमुतायरकीपरळाहो॥५॥अबसमक
दर्सनअवस्थासवकहु॥मुहनयनिहचेअकलोअापुविदानदअपनहीगुनपरजाइको
गहजुहे॥पूरनविग्यानेनमोहेविवहारमाहिनवतत्वरूपीपवदवमिरहतुहे॥पवदवनचेतनअना
रेजीवमारोतथेसमकदरसयहेअारतोनहजुहेसमकदरसजाईआतमसरूपसाईमेरेघटप ५
गटोवनारसीकहतुहे॥५॥अबजीवअजीवअास्रवबंधकथनसवैया॥जेमेंविनकावकाम

आरनेइत्यादिअवरइंधनअनेकविधिपावकमेंदहिए अारतिविलोकतकदाचेआगि
नानारूपदारुमेंएकदारकसुताउजवगहिए तेसेनवतत्वमेंतथोहेमुहतेवोजीवसुहरूए
मिश्रितअसुहरूपकहिए जाहीअनचेतनासकतिकोविचारकीजेताहीअनअतणअसे
हरूपलहिए जेसेंवनवा
रीमेंऊधातुकेमिलापरेंमनानानोतिनयोंतनपाणिएकनामहे कमिकेकमोटीलोकुनिरखे
सराफतादिवानकेपवानकरिलेतुहुदामद वेमंदीअनादिपुद्गलसोंमजोगीजीवअनतत्व
रूपमेंअरूपीमहाभमहे दीसेअनुभानसोंउदोतवानठोरठोरहसरोनअउरएकआतमा
माईरामहे जेमेरविमं
डलकेउदेमहिमंडलमेंअानपअटलतमपटलविलातहे तेसेपरमात्माकोअनुभोरहत
जोलोतोलोककेकविधानकरूपरूपानहे नयकोनउमपरवानकोनएउमनिक्षेपकेउ
सकोविधमहोतनजातहे जेजेवसुसाधकहेतेऊनरोकाधकहेवाकीरागदोषकीदचाकीको
नवानहे अरिचेतनपूरनसुखाउ
संयुक्तहे एरमरूपपरजोगकलपनासुक्तहे सदाएकरसमगटकरहिजेनमे सुहनयातम
वसुविराजेवेनमे सतगुरुकहेनजीवजिसोतोरहुतु
रतमोहकीजेल समकितरूपगहो अपनोगुनकरफुहअनुभोकोखेल पुद्गलफिक

सावरणास्त्रिकर्म इन्द्रमोनहीतुम्हारामल एजडप्रगटगुणतुम्चेतनजेसेनिम्नतोय
अरुनूल कोऊबुद्धिवेननरनिरबसरीरघरलेद
ज्ञानदृष्टिमोविचारैवस्तुवासतो भूतभ्रनागतवरतमानमोहरमसोग्पोविदानेद
लघेबधमेविलासतो बंधकोवियरिमहामोहकोमुलाउमारिआतमको ध्यानकरेदषेपरगासतो
करमकलंकपंकरहितप्रगटरूपअचलअबाधितविलोकेदवसामतो
मुद्धनयातमध्यातमकीअनुभूतिविज्ञानविभूतिदेसो
ई वस्तुविचारतएकपदारथनामकेसदकहावतहोई योसरवंगमएलषिआपुहिआतमध्यान
करेजबकोई मिटिभ्रमदुषविलावदसानवमुद्धमरूपकीप्रापतिहोई
अपनेहीगुनपरजाइमोधवाहरूपपरिनमोनिरू
कालअपनेअधारमों अंतरबाहरपरकासवातएकरसत्रिभुवनगहनिन्करस्तोविकारमो
चेतनाकरमरवमतरिरस्तोजीवजमेलोलकाकरसमोहरसवारमो प्रगटमरूपअतिउद्धालवि
ग्पानघनमोकोहोउप्रगटनिमषनिरवारमों
ऊहधुवधर्मकर्मदलयलहुनसिद्धिसमाधिसाधिपदसोइ मुद्धपयोग
योगमहिभद्रुनसाधकतासिद्धसवकोइ योपरतरूपरोउरूपसोसाधकसाधिअवस्थाहोइ ६ ६
इकोएकगुनसंचयकरिसेवेभिवंचकधिरहोइ

दरसन ज्ञान चरनत्रिगुनातमसमलरूपकहिए विवहारनिहचेदृष्टिए एकरसचेतनेदरहित।
अविचल अविकार सम्पकदशाप्रवानवत्तेनय निर्मलसमल एकहीवारयोसमकालजीवकी
परनतिकहे जिनदरवेहगनधार ॥६॥ अशुद्धव्यवहारस्वरूपकथनदोहरा॥ एकरूपअतमर
वाग्यानचरनदृगनीनलेरनावपरिनमनसो व्यवहारसुमतीन ॥६॥ अथनिहचयवरूपकथन।
दोहरा॥ जदपिसमलविवहारसो पर्ययसकतिअनेकनदपि नियतनयदेषिये मुद्धनिरंजनए
क ॥७॥ मुद्धनयकथनदोहा॥ एकदेषियजानिये रमिरहिये इकठौर समलविमलनविचारिये
यहसमिद्धिनहिअवर ॥७॥ अथमुद्धअनुभवप्रसंसा॥ सवया३१॥ जाकेपदसोहतमुलछन
अनंतज्ञानविमलविकासचेतनजोनिलहलहीहे यदपिविविधरूपविवहारमनघापिएकतान
तेजयोनियतअंगकहीहे सोहजीवकेसीरुजगनिकेसहीवताकधमनकरिवेकोमेरीमनसा
उमहीहे यातेंअविचलसिद्धिहोतअवर सोनिसिद्धनाहीनाहीनाहीयामेंधोखानाहीसहीहे ॥७॥
अथशुद्धपातकीव्यतिरेकवर्णनसवया३१॥ केअपनापदआपुसमारतिकेपुरुकेमुषकीवा
नी लहविग्यानअग्यानिनकेपुगरी सुधिबुधकलाजहानी नाकेअनंतनएप्रतिबिंबितजीव
नमाषदमाउदरानी तेनरदर्पनजेम्यविकाररहितथिरूपसदासुषदानी ॥७॥ अथशुद्धदृग्पानप्र
संसाकथनसवया३१॥ याहीवस्तुभानसमेनव्यनिकोमिटैमोहतग्पाहअनादिकोपग्पोकर्मभि
रमो उदोकरोनदृग्पानमहासुविकासनिधानउरकोउद्योतनारोनारोपुरदरमो यातेथिरदृग्प्र
नुसोविलासगहफिरिकबहूअपनपोनकरुपुदगलसो यहकरतहतियाजुदाईकरजगतसोपाव

कज्जो जिनकरै कवनउ एकमो ॥२४॥ अथ परमारथिकाकवित्त लिख्यते ॥ वानारसी कहै नेया
नगमुनो मेरी मीत कहं नांति के मैं कैसे मोकाजकी जीये। एक रूप रूरत मिथ्यात को विभ्रम हाइ गया
नके जगाइ ज्ञान सरस मधा जिल जीये वाही को विचार वाको अनुभव ऐको नूरु लयो ही नरिजन मपरम
रस पीजीये तजि सब वासको विलास सविकास रूप ध्यान करि मोह को ज्ञान काल जीजीये ॥२५॥ अ
थ ज्ञानी ईश्वर की स्तुति को स्वरूप विचार सवैया ३१ ॥ जाकी दिष्टि मोदसो दसो दसा पविचरई
जाके तेज आगमज्ञान जगै नहकै सो जाको रूप निरखि थकित महारूप वंत जाकी वपुवासमो सुवासउ
रलुकै हजाकी दिव्य धुनि मुनि श्रवन को सुखदो तजाके ननलखन अनेक व्याहुकै हो नेई जिनराज
जाकै करुविहार पुनि निहचै निरखि मुइ चेतन मो चुकै हो ॥२६॥ अथ जिनस्तुति सवैया रूप पुन
मवया ३१ ॥ जामै बालपनो नतरुनापो नहि वृधापनो नाहि आयु परजंत महारूप महाबलई विनासी जतन
जाके तनमैं अनेक गुन अस्ति मैं विराजमान काया निरमल है जसो विनुपवन मय दीप अविचल रूप तैसो
जाको मन थिर आसन अचल है अइसो जिनराज जग मैं वतैहै उजगत मैं ॥ जाकी सुजगति महा सुद्ध तन
को फल है ॥२७॥ दोहरा कथार्थ कथन ॥ जिन पद नहीं सरीर को जिन पद चेतन माहिं जिन वन्दी
नकरतु अनुभवरूप यह जिन वन्दना नाहि ॥२८॥ अथ जड़ चेतन लिन्नता वृष्टान्त कवित्त सवैया ३१ ॥
ऊचे २ गढ के कंगुरे यो विराजैनर देव मानो नभलोक लीबे को दान दियो है सोहै विरुद धरे जपनन की
सघनताई घिरा करि मानो नभलोक घेरि लियो है गहिरी गंभीर खाई ताकी उपमा बनाई नीचो करि
आनन पताल जलपियो है अइसो है नगर यामैं नृपको न अंग कछू याही विद्यानर मो सरीर लिन्न कीयो है ॥२९॥

MEMORIAL

जामै लोकालोक के मुलाव
प्रतिभासै सब जगो ग्यानसकति विमल जैसो चारसी दंसन उदो तलियो अंतराय अंतको यो ग
यो महा मोहनयो परम महारसी सन्यासी सहज जोगी यो गसो उदासी जाके प्रसति पचासी लगिरह
जरजारसी मोहे घट मंदिर मचेतन प्रगट रूप अइसो जिनराज नाहि वंदत बनारसी
तन चेतन वि विहार एक सनिहचै लिन्न रहै दोई नन्य
स्तुति विवहार जीव पुद्गल नियत नहि इहि मिथ्या दृष्टि माई जिन सो जीव जीव सो जिन वर तन जिन एक न
मानै को इ ना कार न तन की अस्तुति सो जिन वर की अस्तुति नहि होइ
ऐसो विरकास वगो वसु धा महि चारि महा निधि अंतर गुफो
को ऊ उधारि धरहि कर पारिजे डिगवंत ति मैं नव मूफो सोयह ज्ञान मई अनूति पगो जफलासि
अनाहि अरूफो नेनु गतागम साधि कहो गुरु लखन वेहि विचक्षन बूफो
जैसे को ऊ जन गयो जल नीके सदन निनि पद सो परायो
वस्तु मरा मानि रह्यो है धनि हि विकल्पो ने पायो रतो हमारो वस्तु नी नापहिचान नहीं सागस्तावलख्यो
है तसही अनादि पुद्गल सो संजोगी जीव भूल मम त्व सो विभावना मैं वस्यो है नेद ग्यान बल यो जब त्या
गो पर जानो नव पारो पर नावसो सुभाव निज गह्यो है
कहै विचक्षन पुरुष सदा हो एक रूप अपने रस सो रस्यो आपनी टक हो मोक्ष कर्म भ्रम नाहिं कोइ.
अमरूप है मुझ चेतना मिधुद्ध मोरो रूप है तत्को

MEMORIAL

प्रतीतिसों लख्यो है निजगुनडिग्यो न चरनत्रिविधि परिनयो है विमल विवेक न्याय सों जान्यो विमरामपायो न्याय पुरी में आपनो महारोग मिट्यो है करनवनारसी गहत पुरुषारथ को सहज सुनाउ सोभि ज्ञान मिटि गयो है पन्नाफेपक को येन सकंचन विमल होत तेसे सुरुचेतन प्रकास रूप स्व यो है
तेसे कोऊ पाउर वनाश्व रूप्या
सरन न्याय वनत्व पारे निमित्त को पट करिकें डरू ओर दीवरि सवारि पट दूरि कीजे मकुलमलाकु लोकरे यो डिष्टि धरिके तेसे मृषान मागर मिथ्यात्व यंत्रि सेदि करि उमंगे पगट रसो निरूलो कलरिके
अहमो उपदेस मुनि वाहि एज गत जीव सुरुचना सलो रेऊ ग जालमो निसरिके
जीवन न अधिकार यह कहो पगट समुझाइ
अव अधिकार अजीव को सुनऊ चतुर मन लाइ
परम प्रतीति नि पुंज ज्ञान गन धरकी मीमांसन स्यादिकी चिंता वृता विदारीहे
तेरे पान डिष्टि सो विवेक की मकति साधि चेतन न्याय चेतन की दसा निरवारीहे करम को नाम करि अनुभो अभ्यास मकरि हिय मे रुरधि निज उरू ता संचारीहे व्यतरायन मसंयो मुरुए रागमल यो मृषा
नको विलास ता को वंदना हमारीहे
वासी तू उदासी कि के जगत सो एक ब्रह्म ही ना उपरे सभेरो मानुरे अवर मकल्प विकल्प के विकारत
जिवे विके एकंत मन एक वार आनुरे तेरो घर मरना मे तू हि कमलता को हंस मधुकर के मुवा सुपहि चानुरे आपनि मकि हे कछु अहमो उ विचारतु हे मरहि हे आपनि सरूपयो ही जानुरे

अवरस अवस्था दोहरा॥ चेतन चेतन अंतरगत न मोहित सुआतमरा मा पानें आनमिलअउरस
व पुद्गल के परिनाम ॥१५॥ अथ प्रथम सुलव्रह्म समा॥ कवित्त॥ जव चेतन सरूपि निज रूपो
रूप निरखे निज डिग सो विज्ञ भर्म॥ नव सुवरू पविमल अधिकाभिक जानेजगत सिरामनि मर्म॥ अनु
भो करे सुरुचेतन को कर्म सुलाउ वमे सव कर्म॥ इहविधि सधे मुगति को मारग अरु समीप आवास
व मर्म॥१५१॥ अथ अनुभव प्रसंसा दोहरा॥ वरनादिक रागादि यह रूप रूप मारा नाहि॥ एक ब्रह्म
नहि दूसरो दीसे अनुभव माहि॥१५२॥ अथ वस्तु विचार दोहरा॥ याको कहीए कनक को कनक
पान संजोग॥ यारो निरखन पान सो लोपे कनक सजोग॥१५३॥ निश्चे व्यवहार रूप वस्तु विचार
दोहरा॥ वरनादिक पुद्गल दसा धरे जीव रूप॥ वस्तु विचारन करम सो भिन्न एक चिद्रूप॥
१५४॥ अथ निश्चे स्वरूप कवित्त दोहरा॥ ज्यों घर करि ये घी डको घर को रूप न घीउ॥ त्यों वरनादिक
नाम सों जड़ना तरे न जीउ॥१५५॥ अथ ज्ञान स्वरूप कवित्त दोहरा॥ निराबाध चेतन अंक रूप
ज्ञान मई जस मुकी उ ज्ञान चक्र अनादि अनंत नित घर घर जगत मे जीउ॥१५६॥ अथ अनुभव निधान
कवित्त सवैया ३१॥ रूप रसवंत महा रतीक एक पुद्गल रूप विभु अउरयो अजीव दर्व उभारे हे चारि
अमूरती कजीव तो अमूरती कमाही तें अमूरती कवस्तु ध्यान मुध्यारे हे अवर सो नकवरू पगट आ
पु आपही सो प्रेमो ष्टि चेतन मुराउ सुरुसु धारु चेतन को अनुभो आराधे जगत तें जीवु जिन को अ
धरम सवाधिक दीपारे॥१५७॥ अथ मंगलाचरण कथन॥ सवैया ३१॥ चेतन जीव अजीव कमचेतन लक्षन
तेरहे गुनेपरम्यो सम्यक दिष्टि दोनविवेचन सिद्ध लोक सिद्धि के निरवारे जेजग मांहि अनादि अंध

कित मोहमहामदकेमनवारेनजगचेतनएकहरेनिजकीफिरकटैनसीटारे॥१८॥अथअध्यात्म
किलामामसंख्या२३॥याघटमेंअमरूपअनादिविलासमरूअविवेकअधारानामहिअउर
सरूपनदीसतपुग्गलवृसकरेअतिवारो फेरतनषटिधावनकोतुक सोउलिएवरनादिपुरा
रोमोहसोनिन्नजुरोडफविनमूरतिनाटकदेषनरूरो॥१९॥अथअध्यात्मविलासकषनसंख्या२४
जेसंकुरनएकाठविनिषेकरेजेसराजहंसनिरवारेअधजरसूं तेसेनरंगानिजसदक
सकतिसेतीनिजकरेविद्यानंदपुदगलको अवधिको भावमनपर्यकोअवस्थाषउमगिकेय
वेपरमावधिकेथलको यादीनोनिश्चरनसरूपकोउदोतधरकरअतिबिंबितपदारथसकलको॥
२०॥इतिश्रीनाटकसमयसारहजीवद्वारसमाप्तःसादरा॥अथअजीवअधिकारको प्रगटिव
वषोमामर्म अवमुनीकअजीवक करताकियाकर्म॥२१॥अथसद्रंगानमहात्मवर्णनम
को॥सवैया॥२३॥जाहीसमेंजीवदरबुद्धिको विकारतजेवेदतमरूपनेजनेदतसरमको॥महायस्फु
मतिमंकुअषरसअनुसो अनासीपरगासतषरमको॥तासीसमघटमेंरहविपरीतभावजेसतम
नासेनाचैपगटियरमको॥अरसीदसाअनावजवत्ताधकरुवेलवकरताकेसकरपुग्गलक
रमको॥२२॥अथअजीवसमयसारवर्णनम्॥सवैया३१॥जगमेंजडकीक्रियाको जगतीकहमराकर्मकिर
तामेंयाको क्रियाको अतिपाषीहो॥अंतरसुमतिनाषीजागसोसयोवहासीममरामिलेईपरजाइ
बुद्धिनाषीहेनिरलेमुलाउलानोअनुलो करसलीनाकीनाविवहारदृष्टिनिहवमेंराषेहिसरमकी
कारीतारीधरकोतयोषरीयरमसोषीनिजारीकरमकोसाषीहे॥२३॥अथसद्रंगानकर्मा

जेसजोदरवताकेतेसगुनपरजाइताहीसोंमिलतपेमिलेनकारुअ
नमो जीववस्तुचेतनकरमजडतानिजदरअमिलमिलापजोगतनजुरेकोनसो अमासुविवेक
जाकेहिरदेप्रगटभयोनाकोभ्रमगयोजेसोतिमिरनासोगानानसो सोईजीवकरमकोकरतासोदी
मेपत्रकरताकहोहेसुद्धताकेपरवानसो
जीवद्रव्यगुनसहितअपगुनपरगुनगषायक अपापरगुनलषेनहिपुदग
लदरविनुपरजपुदगलअचेतनजड जीवअमूरतीकपुदगलमूरतकर
जबलगनहोइअनुभवप्रगटनवलगुमिथ्यामतिलसइ करताजीवजकरमकोमुबुद्धिविकास
यहअनुभवसइ करताएरिनामीदरव
करमरूपएरिनाम किरियाषजेकी फुरनि वस्तुएकअवलोम
करताकरमकियाकरे क्रियाकरमकरनार नामनेदअकुविधिसयो
वस्तुएकनिरधार एककरमकरतसतो करे
नकरताहोइ दुधादरवसत्तामधी एकसमवेसोहोइ
एकपरनामएकनकरनादरवदोइहोइपरनामएकदरवनधरतुहे एककरतूतिदोइदरवकवस्तु
नकरेहोइकरतूतिएकदरवनकरतुहे जीवपुदगलएकखेतअवगाहीदोऊपनअपनरूपका
अनटरतुहे अपरनामनिकाकरताहेपुरगलचिदानंदचेतनसुनाउआचरतुहे
महादीउदयकोवसीछपरदवरूपअधकुपकऊपे

निकारे नहि गयोरे अइसो मिथ्यात्व लगे जीवको अनादिही को यातें अरु बुद्धि लिए अन्ना
नांतिनयोरे काहुसमे काहूको मिथ्यान्धकार नहि ममता उद्वेहि मुद्धभाव परनयो रे तिमि
ही विवेक धारन धको विलास हरि अज्ञान मसकति मोजगत जीतिलयो रे
सुद्धभाव चेतन अशुद्धभाव चे
तन दुऊंको करतार जीव और नहीं मानिये कर्म पिंड को विलास वर्नन भंग फासकरनाउ ऊ
को पुद्गल परवान्यो तातें वरनादि गुनगणना वरनादिक मैनाना परकार पुद्गल रूप जानि
ये समस्त विभाव परिनाम जे जे चेतन के तेते सब अशुद्ध पुरुषयो व षानियें
जैसे गजराज नाज घासके गरासकरि लक्त पुलाइ
न हि लिन्नरस लायो रे जैसे मन वारा नूहिजाने मिलिरि निस्वाद जुगमे मगन करे गऊ रूधि
यो रे तैसो मिथ्यामति जीव गुनरूपी रे सजीव पापो पापपुन सो मे स रुजसुनि रियो रे चेतन अशुद्ध
नइ को मिश्रपिंड लखिए कर्म कर्म नेन विवेक कहुकियो रे
जैसे मरुधू पकी तपति मिलाये घृत सरस सो मिथ्या जरूपी वनको धायो रे जैसे
अंधकार मांहि जेवरा निरखि नरस रस सो हरषि सरप मानि आयो रे अपने सुभाव जैसे सागरखु
थिर सदा पवन संयोग सो उछरि अकुलायो रे तैसे जीव जड़ सो अव्यापक सदा जरूप नरस सो क
रम को करता कहायो रे
जैसे राजहंस के वरन के सपरसनरे षायें पय गर मारो क्षीर न्यारो नीर रे तैसे समकती की सु

दृष्टि मे सरजरूप न्यारो जीव न्यारो कर्म न्यारो ई सरीरे जब सुद्धचेतन को अनुभो अभ्यास से तब ता से
वसा से आपु आपमे आपुही आपुरसी रे पूर्व कर्म उदे आइ करे षाइ रु करना नहो इनिश्चे को तम
सगी रे ॥१४॥ अथ कर्ता कर्म स्वभाव वर्णन ॥ दोहरा ॥ जैसे उसनोदक मे
उदक सुभाउ सीरो आगि को उसनता करम संयोग लखिये जैसे सम्बादव्यंजन मे व्यंजन विविध रूप लेोन
को सवाद धारी जीव संयोग चखिये तैसे पुद्गल पिंड मे विभावता अज्ञान रूप अज्ञान रूप जीव ने ज्ञान सो
परखिये नरम सो करम को करता है विरला दरव विचारकरतार ता वे नखिये ॥१५॥ अथ कर्ता
वेदक ॥ दोहरा ॥ ज्ञान सभाव ज्ञानी करे अज्ञानी अज्ञान दरव करम पुद्गल करे यह निश्चे प
रवान ॥१६॥ अथ ज्ञानदर्शक लक्षण ॥ दोहरा ॥ ज्ञान सरूपी आतमा करे ज्ञान नहि अवर दरव कर
म चेतन करे यह विवहारी दोर ॥१७॥ अथ सिष्य प्रस्न कर्ता सवया ३१ ॥ पुण्य पाप कर्म करे नही जीव
करी नुमे समुझी नहि नेमी को नकरे यह रूप कहो अब को करता करनी कहु के मी आपु ही आपु
मिले विछुरे जड़ को करिमो मन संसय अइसो मिथ्यामति दरु निवारन कारन वानक दे गुरु है किछु ऐ
सो ॥१८॥ अथ गुरुकथन ॥ सवया ३१ ॥ पुद्गल परिनामी दरव सदा परिनमे सोई पावे पुद्गल
करम को पुद्गल करता होइ ॥१९॥ अथ पुनः शिष्य प्रस्न ॥ अडिल्ल छंद ॥ ज्ञानवंत को नागति
कहा रहे गुरु ज्ञानी को लाग बंध कहा दे है यह अविवेकी को मति हिए नही आवई गुरु को उपदेश शिष्य
गुरु समुझावई ॥२०॥ अथ गुरुउत्तर ॥ सवया ३१ ॥ दया दान पूजादिक विषय कषाया दिक रोऊक
र्म लोग पेऊ को एक षनु है ज्ञानी मूढ करम करतदीसे एक से पै परिनाम भेद न्यारो न्यारो रस दे उ

हे ग्यानवंतकरनी करै पै उदासी नरूप समतानधरै नातै निर्जरा को हेतु रहै वरै करनि मूढ करै पै मगन
रूप प्रभुतया ममता मोहबंध फल नेतु रहै ॥२१॥ अथ मूढकरतूतकथन कवित्त ॥ लगन
दा जो मारी मरिकउसहो नकी मकति रहु धुव दरुचकवीवर कुलसवाहिजनिमित्रछव सोधु
दगलपरवानुबुजवगरनासेषधरिग्यानावरनादिकमरूपविचरनविवधपरि वाहिजनिमित्रब
हिरातमा गहिसमे अग्यानमतजगमाहिग्यहंकतसावसो करमरूपकूपरिनमत ॥२२॥ अथ मू
ढानुभवमरुत्पकथन सवैया २३ ॥ जेनकरेनयपक्षविवादधरेनविवादअलोकलसा पै जउ
द्वेगतजेघटअंतरसीतलुसावनिरंतरराखै जेनगुनीगुनलेरविचारतआकुलनामनकीसवन
पै नेजगमैधरिग्यातमध्यानअषंडितग्यानसुधारसचाखै ॥२३॥ अथनिश्चयव्यवहारनयप्रमान
लक्षनकथन सवैया ३१ ॥ विवहारदृष्टिमोनिलोकनबंधोमा दीसैनिहचैनिहारतननबंधायरू
किनरी एकपक्षबंधो एकपक्षअबंधसदादोऊपक्षअपनअपनादिधरैइनही कोऊकरैसमलविम
लरूपकोऊकरैचिदानंदनैसोईअबाधितजैसोतिनही बंधोमानैमुक्तोमानैदुहूनैकोउदंतमाई
ग्यानवंतजीवतबूपायोतिनही ॥२४॥ अथसम्यरसीलक्षणसवैया ३१ ॥ प्रथमनियतनयदूजो
अवहारनयदुहूकोकहावतअनंतसदफलहैजोजोनयफलतोतामनकेकहेलफलेचकहमुला
हलोकलोकलोउकहैरे अहमीनयपक्षतोकोपक्षतजिग्यानीजीवसमरसीभएएकतासोनहिरहै
मरोमोहिनासिमुकतभयोसमासिनिजसहजपरगामिसुषरासिमाहिरहै ॥२५॥ अथसम्यकरूप ११
लक्षनकथन सवैया ३१ ॥ जैसेकाहूनाजिगरवारदृढजाकोदालनामरूपधरिकवगरलविद्यावानहि ॥

नैसैमैअनादिकोमिथ्यातकीतरंगनिसोंभरममेंभइबहुरूकोइनिजग्यानहै अबगयाभकलाजागी
ईनिरुवेरुमारीजोतिसोईहमजानीहै ॥२६॥ अथसुद्धग्यान
जैसेमंदारतनकीजोतिमेंरत्नरिद्धवैजाकीतरंगजेमैंतामैरहिजतुमैनैसैसुद्धग्यान
मंदरवपरजाइकरिवपजेविनसिथिररहैनिजथलमेंजहसोसूक्ष्मकलपीवनंदरूपीजनाक्षिय
तगहिस्तीजैएकपरूपैताकोअनुभवकोजैपरमपीयूषपीजैचंधकोविलासकहिस्तीजैपुरगल
मे
दरमकीनयपरजाइबहुरोऊनयसुद्धग्यानरूप
सुद्धग्यानतोपरोबरै सुद्धपरमातमुकोअनुभोअगटतानैअनुभोविराजमानअनुभोअप
बरै अनुभोअवाममैवानपुरुषबुधानग्यानऊअरविग्यानघनमहासुषरोबरै परमपवित्रयो
अनंतनामअनुभोकअनुभोमिनानवरूंईरलोरमोबरै

नैसैकरमजनितनानारूपदरवानुजोगतनोमकलांतिपहिचानोनपरतुहै
क्रियाकलपाइरत्यानुयागहरिहनअपनेसरूपनीचमगगहरतुहै नैसैपरचेतनपदारथविवा
हतासोंगतिजोनिसिवासकलावसिसरतुहै सम्यकसुलाउपाइअनुभोकपंथअइबंधकीजुगतिसंवि
मुकतिकरतुहै
निसिदिनिमिथ्यातावउधरैमिथ्याती
जीव नातैनाउनकरमकोंकरताकहोसरीव

कहैकरमसोकरतारा जोजानैसोजानगरारा जोकरतानहिजानैसोहजोने

मोक्ष करता नहिं है ज्ञानमिश्रित एक नहिं

रागादिक ज्ञानमहि ज्ञान करम ज्योति रेक योग ज्ञाता करता नहीं

करम पिंड अरु रागभाव मिलि एक कहौ नहिं होइ

सरूप वस्तु है एक जीव महि करम पिंड पुद्गल विभाव रागादि सूछम अजीव एक पुद्गल द्रव्य

तिन मधि रहि निज निज विलास जुत जुगत मिलै सरूप परिनमहि निमकरमादि

जीव करम को मोख विकलजन कहहि इम

जीव मिश्रित करम हू को न कहि अरु इकंत करम सहित ज्ञान परोक्ष

असंज्ञान परे समकति जुत ज्ञान मगन द्रव्य गुन पर्याय विलास गंभीर धीर सिंधुर है विमल मति ज

वत गुप्त ओघ घर महि थित तत वस गुच्छ नव पद पिछियइ जिम धर धरा ज विवर तपुर उल्लस्यो

तिम पुरि पिछियइ

कि रिया करम को प्रगट न धारै मोख मूल सर्व विरती अधिकारथ पाप पुन्य समतूल

जाके उर ऐसी दशा प्रगटी सहज विवेक घर अंतर विनसै मोह महातम मंक सुप्रभ

रु ज्ञान सुभ करम को उदै मिटै सहज ही सिव कथा कहावै ज्ञान अंकुर उतपति लीला से सब लोक

लोक सो प्रबोध सासि हिरदै विचारि सिव मारग गहै इत पर्याप्त क

ज्यौं केऊ बालक नीलगज पुन्न जनित निधि करि यो बालक के एक घर राख्यो है बालक

ह्यो ति निमित्त मास लागकी लिख्यो बालक रूप्यो ति निमित्त मास चाख्यो है तैसे एक नैपुनी करम के जुगल

पुन्न एक पुन्न एक पाप नाम कहि न्यो है पुन्न माहि दोइ रूप दोऊ करम बंध रूप या तें ज्ञान बंत नि को ऊ

अभिलाष्यो है ॥ ॥ ॥

रज्ञाहोइ॥१३॥ अथ बंधप्रायुरूपसवैया३१॥ मोषमरूपमदाचिनमूरतिबंधमईकरतूतिकरीहै जावतकालबसेजरो चेतनभावनसारसरीतिगहीहै चातमकोअनुभौजबलोतबलोमिवरूपदसानिवरीहै अंधतयोकरनीजबजानततबंधियानवफलिरहीहै॥१४॥ अथ प्रथमाधिकारमध्ये नमस्कारगाथासूत्रं॥ अनंतदृष्टिलिषाउ॥ आरसरूपकोआवरन एपरमातमसाउ॥ गिवकारणएईसदा॥१५॥ अथ बंधप्रकृतिनिरूपनाधिकार॥ करममुसासुनरोउ॥ पुरगलपिंडचितावमलइनकोमुकतिनहोइमहिकेचलपरपाईये॥१६॥ अथ मिथ्यात्वगुणस्थानकस्वरूपवर्णनसवैया३१॥ कोऊसिषकरेस्वामीअसुलक्रिया असुहसुनक्रियासुहुतमअंमीकोनवरनी गुरुकरुजबलोक्रियाकेपरिनामरहैनबलोबपहउपयागजागधरनीश्रितानआवेतालासुहअसुनानरोहयातेदोऊक्रियापरषपकीकलरनी बंधकीकरेयादोऊकुमतिनसलकोऊवाधकाकेकारिमनिर्मथकीनीकरनी॥१७॥ अथ प्रथमगुणस्थानकस्वरूपवर्णनसवैया३१॥ मुकतिकेमाधकको बाधकुकरममवृंदातुमाअनादिकोकरममाहिलुकोहै एतेपरकेहोविमापनुराघुनजलोमोहमदमगसोचुकयाहै मम्यकसुलाउलिएमगदोगपाकरधरमगवत्मकाकूपकूकोहै आरसीमाउझलवनारसीकूरुतरूपचुकारनमरूएकेकेकारजकोदुवोहै॥१८॥ अथ प्रथमगुणस्थानकबंधविवरण॥ सवैया३१॥ जोदोअष्टकर्मकीविनासनाहीमरवधातोलोअंतरातमामेधरादेविवरी एकुपानश्रराए कहुनासुनैधरादुर्छी अचलतिनारीनारीधरनी इनकोविनाशनुकरमधरावधरूपपरावीनमकानिविधिप्रबंधकरी ऐपानधारामोमहएमोसकीकरनरादेधर्कहरनहारालोसमुझनरनी॥

→ करम

समुझैनगणानकरैकरमकिएसोमोक्षअहमजीवविकल्पमिथ्यातकीगरुलमें गुणठपरुगरुकरैआतमअनुभवबंधसरावरनेसुखदेवुझैएवरुलमें जथाजोगकरमकरैपमनादधरैसावधानुपानथानकीटरुलमें नईलवमागरकेऊपरकुलिरजोवजिन्हकोविवामस्याद्वादकमरुलमें

जैसेंपुतनारोकोकुकरैअरकरेंअउरतमेंमदअनीविपरीतिताधरतुरै असुलकरनबंधकारनबातेंमाहेमुकतिकेदेवसुनरीतिनाधरतुरै अंतरसुदिष्टिनईमूलताविसरिगईज्ञानकोउरोनसुमतिमिरहरतुरै करनीसोंनिनारैआतममसरूपगहैअनुभोअंतरीसकोमुकतकरतुहै

पुनपापकृ

एकना वरनी गुणठअरए अवआगेंमिथ्यात्वअधिकारकहु करैंगे अभवतरूप

जेतेजगवासीजीवथावरतसगमरूपतेनोनिजवासिकरिराखेअनोखिकै मरो अनिमानीअहमोआसनअगाधतोषारोपिरहसवाढोसयोमोहमादिकै आपेमिथ्यातकबंधकपरमधमगणानाम्मुखटसवायोकछप्रोरिदै अभवपक्षासोरवसनोरिसोतासिविराधिवनारसीनमतकरजोसिकै

इतिमिथ्यात्वगुणस्थानकस्वरूपवर्णनसमाप्तं॥

अथसासादनगुणस्थानकस्वरूपवर्णनसवैया३१॥ अनंतानुबंधीकषायउदैजीवअरेरागरसे नासितसम्यक्तसोकहिए अरुरागविरोधविषादुतिकासे समकपरुतिमोकरिएजरुसंवितिलावतसम्यक्तवनासे गुणठगटेतेसिखरचूंतरबाहरजैसेनरसासे जोररवाअवरूपत

MEMORIAL

गरनमोवहमंकोविकामीवरमंञ्चनदेजामेसवरूपजामवसेसवदोषसवजेसोंअलिए
तत्राकामषंकवंतदेसोहिग्यानतानमुहसंवरकोनषधरेनाकीरुचिरषकोकुमारीकवंतदे॥
७॥अथसेदग्यानमहिमा॥सवैया२३॥ सुद्धत्रसेदअसेदअबाधितसेदविग्यानमुनीश्वरग्या
।अंतरसेदिसुनाउविलाउकरेजकवेतनरूपउफारा।मोजिनकेउरमेउपजोनरुचेतिनकोएर
सेगसरुरा।आतमकोअनुभोकरिनेरवेपरवेपरमातमधारा॥६॥अथसम्यकमामग्रता
सवैया२३॥ जोकवकुंयहजीवपदारथअउसरपाइमिथ्यातमिटावेसम्यकधारत्रारुवहेगुन
ग्यानउरेमुषउरधरावेतोअनिछतरदविनसावितकर्मकलेसपवेसनपावे आतमसाछिअधा
तमकेपथपरनकुंपरउलकहावे॥६॥अथसम्यकडिंडिरा॥महिमा॥सवैया२३॥ सेदमिथ्यात
मुवेदिमरासमसेदविग्यानकलाजिनपाई जेअपनीमहिमाअवधारतत्यागकरेउरसोजपरा
ईउकतरीतिफुरीजिनकेघटसोतिनिरंतरग्यातिसवाई तमतिग्यानसुवर्नसमानलगेतिनकी
नमुत्तामुत्तकाई॥७॥अथसेदग्यानमहिमा॥अडिल्लछंद॥सेदग्यानसवरनिरानिरदोषसं
वरसोनिरजराअतुक्रमसोषरु सेदग्यानमिवस्तुजगतमहिजानिय जरपिंडियरुतदपिउपा
देयमानिये॥१०॥अथरूपकछंद॥सेदग्यानसवलेनलोजवलेसुगतिनरुइ परमजोतिए
गटजरुनिरुविकल्पपकाइ॥७२॥अथसेदग्यानमहिमा॥चौपई॥सेदग्यानसवरजिनिपाव
सोचेतनमिवरूपकहायो सेदग्यानजिनकेघटनांही तेजकजीववंधघटमांही॥७३॥अथसेदग्
नमहिमात्म॥दोहरा॥सेदग्यानसाबुनलयो समरसनिर्मलनीर धोवीअंतरआतमा धोवेनिजगुनचीर

जोसेंरजसोभावसंसोधिकेदरवकोहेपावक
कनककादिदारनउपलकोपंककेगरलमेंसोकारियेकुतकफलनीरकरेउजलनितारिकारेमउकों
दधिकोमथेमथनिकाढेजेसेंमाखनकोराजहंसजेसेंदूधपीवेमाखिजलकोतेसेंग्यानवंतसेदग्यानकोमथ
निकाढिवेदेनिजसंपतिउढेदेपरपलकों
प्रगटिसेदविग्यानअपुगुनपरगुनजानइं एरपरनतिपरत्यागिसुद्धचुनुसवथितिठानइं करमिरनु
भवअासासहजसवरपरगासइं आश्रवद्वारनिरोधिकर्मघनतिमिरविनासइं जयकरिकेवलसाव
नजिनिरविकलेएनिजपदगहइनिमलसिवसुखसासुनसुथिरपरमग्यानीडियसुखलहइं

वरनीसंवरकीदसा जथानुगतिपरवानसुकलि
विनरजीनिरजरा सुनोनविकथधिकान जोसंवरपरगाइ
अनंरइजोएरवस्यकर्मनिकंदइजोअफरकेफरुरिनकंदै सोनिरजरावनारसिवंदै
महिमासम्यकग्यानकी अरुविरागकलजोइक्रियाकरतफलनुंज
तेंकरमबंधनाल्कोइ जेसेंनृपकोचुकमरुकरै
नोचकर्मकोचुकीकरावेनामोकोनकहेरंकरै जेसेंविलचारिनीविचारेविलचारिकेजारहीसोप
मनरतारसोचितवकरुजेसेंभाइनाल्कसुणाइकरेलालिपालिजानिताहिअउरकेजरपिवाकेअक
हेतेसेंग्यानवतनानातनिकरनिजानेकिरियाकोजिनमानेयानेंनिकटकरु जेसेंविसवा।
सरकमलरहेपंकरीतेंपंकजफरुवेपेनवाकोदोषपंकहु जेसेंमववारीविषधरसोगरुवेगातमंत्रकी

सकलिवाकेविनाविषकरे जैसेजीनगरेविकनाईरहे रूपेश्रंगपानी मेंकनकजैसेकाईसोहे
स्करे तैसेपानवननारासंनिकरनूतिक्यानेकिरियाकोलिलमानेयाहेनिकलंकरे

पुद्गलदेसनबंध विधेनागवेसमकती करेनूतनबंध मलिमाणान
सम्यकवंतसदाउरश्रंतरंगपानविरा

किकारामकी
गउसेगुनधरे जासुप्रताकूरूपेनिकलंकनजीकअनंतवरसानंतखरे आतमकेअनुभोकरिरुचि
रे आपनरेश्चउरनिचारे साधिसुर्वसुखमिवमर्वसकर्मउपाधिविशावमिकारे
जोनरसम्यकवंतकरावंतसम्यकपानकलानाहिजागी आतमध्यानगय
बंधविचारतधारतसंगकरेहमत्यागी नवधरेमुनिराजपरंतरश्रंतरमोहमहानलदागी सुदरिथिके
रतिकरेपरिसोमउजीवनहोईविरागी
रचेचस्वेसुनपंचमेजगमविवहारस्वपना साधिमनोवश्रराधिनिरंजनदेईसुसीवनलेईजिदना
नगधरगणिरतनिसंगनकेमरवगसुधारसमग्ना एकरतूतिकरेसवयेसमुकेनश्रनातमसग्ना
ध्यानधरकरिइंद्रियविषयहवियहसोनगनेनिजनग्ना त्यागविभूतिं
विभूतिमदेतनजोगगहेजवसागविरत्ता भोनरस्वाहिमदकषायसहेबधबंधनहुइनतत्ता एकरतू
तिकरेसउपेसमुकेनश्रनातमश्रातमसग्ना जोविनुपानकि
याश्रवगहे जोविनुक्रियामोषपदवहे जोविनुभावकरेमेलुविया सोश्रजानमूढनिमेमुविया
नगवासाजीवनसोगकउपदमकरे ब्रम्हरूपमानकश्रनंतना

जगीतिहे जागोकेमचेतनचेतनसमतासमतमुनोकवलवचनऊमेश्रमरसजीनहे श्रावोमरनिकि
टवनावोमेवृम्हरेगुनपरमसुरसनरकरमसारीनहे श्रइसवेनकरुगुरुनोकनधरेउरमिश्रकमपुन
किश्रेचित्रकमचीनहे ॥१८॥ ॥दोहरा॥ एनेपरबऊसुगुरु नोनेवचनरसाल सेनदसाजागृतदसा
करेउऊकोचाल ॥१९॥ ॥अथसमदसावर्नन॥ कायाचित्रसारीमेंकरमपरजकला
रीमायाकीसवारीसजचादरकउपना सेनकरेचेतनश्रचेतनतानीदत्तायेमोहदृष्टिधरारयरंछावन
कोटपना उरेवऊजोरियेरुस्वासकोसवदरघारविषेमुधकोराजधीदारयरुसपना श्रइसीमूहदसामें
पगानरहेनिरुकालु धरेचेतनजानमेनपावेरूपश्रपना ॥२०॥ ॥अथजागृतदसावर्नन॥
चित्रसारीनारीपरजकनारीमेजनारीचादरिलीनारीहाडचीमरीश्रपना श्रतीतश्रवस्थासेनानि
धावहीकेजपेनविद्यमानपलकनयामेंश्रवस्थपना स्वामश्रवधुपनदोऊनिडाकीश्रलगलऊमू
ऊसवश्रंगलखिश्रानमरपना त्यागीसयाचेतनश्रचेतनतानावस्थागिनानेइंद्रियाविषेसत
सेरूपश्रपना ॥२१॥ ॥अथपुनःसुगुरुशिक्षा॥ ॥दोहरा॥ एहिविधिजागेपुरुष तेसिवरूपसर
जेसावहिसंसारमें तेजगवासीजीव ॥२२॥ ॥अथमऽमस्वतिः दोहरा॥ जोपरनोपरसयरहे
सोपदसउश्रनूप जोहिपरपरसतश्रउरपदजगेश्रापदारूप ॥२३॥ ॥अथसंसारवर्नन॥
नवनियमोवेतनवसमुऊमुपनमसवारीऊउलागेनीरधायकेजागकरुयरूमरोतनयहतरीमऊना
ऊऊउमानतमरनधिनिजाएकेजानेनिजमरनमरननक्सऊऊनवऊउरश्रवतारूपहाएकेवाऊ
श्रवतारकीदसामधिरियेरुपेचयारीसातिऊवजगरध्योरुमरोइऊ
वनसवयाउ ॥२४॥ एहिनविवेकलरुएकनाकीएकगहिउरजश्रवस्थाकीश्रनेकनाहरनुहे मनिश्रुति

नाटिक १७

अवधिइत्यादिविकलपमेंथिरविकलपपानमनमांहिधरतुहै इंद्रियजनितसुखदुखकोविमुखकै
केथिरभावकरुपकैकरमनिर्झारहुहै सहजसमाधिमाहिंसागिपरकीउपाधिद्यानमझारिथिरभान
मकरतुहै ॥१५॥ अथपानमसुद्धस्वलेनसवैया ॥ जाकुउरअंतरनिरंतरअनंतदर्वितावनासि
रुपेसुतावनहुरतहै निर्मलसोनिर्मलमुज्ञीवनपगरजाकोघटमेंअघटरमकोतुकरतुहै जामें
मतिश्रुतिअवधिमनपर्येककलसपंचधातरगनितमेंगिवउरतुहै मोहपानउरांधेसारमहिमाअषा
रनिराधाराएकमेंअनेकताधरतुहै ॥१६॥ अथमानभंगलक्षणसवैया ॥ केईकरकष
सहतपसोसरीरदहैधूमपानकरतअधामुषकूरुहै केईमहाव्रतगहैकरियामेंमगनरहैवरुमनिसार
पथयारकसेश्वरहै इत्यादिकजीवनिकोसर्वथामुकतिनाहिफिरैजगमाहिंसोवयारकेवधूहै जिनकै
हियेमेंपानमिनकोनिरदानकरमकेकरतारसरममेंहरुहै ॥१७॥ अथमानभंगलक्षणदोहरा ॥ ली
नतयोविवहारमेंउकतिनऊपजैकोइदीनलयोप्रभुपदजपैसुगतिकरासोहोइ ॥१८॥ दोहरा ॥ प्र
भूसमरोएजोपहो करोविवहिवहार मायमरूपीमानतमा पानगर्भानरधार ॥१९॥ अथयथार्थ
रूपनामसवैया ॥ कजविनाकरेजियउहैमलाजविचारनमांहिनरुहै लीलविनानमधेपरमारथ
सीलविनासनसोनजरुहै नेमविनाकरुहैनिरुचेपदपमविनारसरीतिनचूहै ध्यानविनानयतेमत
कीगतिपानविनासिवपंथनमरुहै ॥२०॥ अथपानभंगमाधारकथनसवैया ॥ पानपु
दोजिनकेघटअंतरजोतिजगीमतिहंसदशामेंली वाहिजरिहिमिटीजनकेहियेध्यानमधानकलाविधि
फैली जेजगचेतनलिंकलषेसुविवेकलियेपरषगुनथेली तेजगमेंपरमारथजानिगुरुकृपामनिश्च
ध्यानसली ॥२१॥ अथमानभंगलक्षणदोहरा ॥ नकविधिक्रियाकलेससो सिपरलहैनकोइपा

नकलापरगासससो सहजमोषपहरहोइ पानकजाघरघरवसैजोगजुगतिकेपा
र जिनमिलकजाउदोनकरिमुकतहोउसंसार अलुनोनिं
नामनिरनचजाकेहियेपरगास सोधुनीतमिवपरलहैरहैचतुरगतिनाश [redacted]
रिक्रियानमंडैनूतनबंधनिरोधिपुरुषलकरमविरुझैनाकेनगनुविकारनगनुबकुसारनगनुसो जाकै
हिरदेमांहिरतनचिंतामनिसनुसो जिनकेहियेमेंसतसर
जउदोनतमो फलीमतिकिरणमिथ्यातनमनहरै जिनकीसुदिष्टिमेंनपरचेविषमतामोहीतिमतासोस
इपहरै जिनकीकरालमेंसहजमोषपंथसधैमनकोनिरोधजाकेननकोउकषरै तिनकोकरमझीक
लोलेयहरैसमधिकोलेयहरैजोगमनजोलेयहरैमहरै

आनमसुरउपरसाउकोनसुधिनाकोजाकोमनमगनपरिग्रहमेरसोहै अरसोअविवेकहनि
धानपरिगरहयगनाकोत्यागहरलोभमुरुपकसोहै अचलिअनूभवरिकविवेकमान जडरोमुयुकउपेर
शकोउमसोहै परिगरुत्यागपरिगरुकोविरोधअंगकहिवेकोउदिमउदीरेअरुलसोहै

त्यागजोगपरवसुमव अरुसामानविचार विविधिवसुनानाविरति वसुविशेष
विस्तार प्रथकर्मउदेरसजुजे पानमगनमुमतानप्रभु
जे उरमेउदासीनता उहीये सोजुपरिगरुचेतनकहिये

तेजेमनवंछितमिलासनोगजगतमेंतनविनासीकसवषवरसहै अउरजेजोगअभिलाषविनपरि
ग्रहतेउविसीकधारासहजनरुहै एकताउडंमांहितानेबांधाफुरैनांहिअरमेंभ्रमकारजकोभूरबचरुहै
संतनरहैसचेनपरसोनकरैरुतयोतेमुपानवंतकोअवंध्यकरुहै

जैसे फिरकी लोहरकै पुरविमास्वेतवस्त्रधारियेमजी उरंगनीरमे नीमेारहे चिरकालसर्वधानहो
इत्यादिसेदेनहीअंतरमुपरीरहेचीरमे तेमेंममकिंचनरागरोषमोहविनुरहो निसिवासरपरियरुजी
नीरमे धरवकरमहरेनोतनबंधकरेजावेनजगतसुषराचेनसरीरमे

जैसेकारुदेसकोनृपकलवतनरजगलमेंजाइमधुबनाकोगरतुहे वाकोउपरांहिचिरुजे
रमधुमक्षिकापीपकनरुजी उंटसोंमुकिनरहतुहे तेससनकनीसिवसनाकोसरूपसाधउंटकोउपाधकोस
माक्षिकीकरतुहे पांडरमरुजेसनारुमनमेंउछाहपानेसुषरासउरवगनलरतुहे

ज्ञानीज्ञानमगनरहे रागादिकमलषोइ विनावरासकरनीकरे करमबंधनहिहोइ
मोहमहातममलहरे धरेमुएरउपगार मुगतियंथएरगटकरे दीपकपरम विलास

जामधूमकोमलसबातकोनपरवसकरमपतंगनिकोनासकरेपल
मे एसाकोनसोगनसनरुकासजोगजामेंमोहअंधकारकेवियोगजोकेहरुमे जामेंअनताईनहिरागरुक
ताईस्वलरुलहेममनासमाधिजोगजरुमे अहमीप्यानदीपकी सिषाजगी अलगरूपनिराधारपुरीपड
रीएधुएगरुमे जेसोजोदरवनामेंनेसुनाउसधे
कोऊदर्वकाहरुकासुनावनगरुतुहे तेससंषउझालविविधवर्नकारीतमै मारीमोनहीमेंनितउजलरहतु
हे तेमेंप्यानवंतनानासोगपरिगहजोगकरतविलासनअप्यानतालहतुहे प्यासकलाइनीहोइउंदरसाम्
नोहइऊनीहोइनोचितिवरसीकरतुहे जोसोप्यानको १८
उदोतनोतोनहिबंधहेतवरतेमिथातनवनानाबंधहोइहे अहसोनेदमुनिकेलगेप्यानविषेनोगनिसो
जोगनिसोवहिमहारातिनोविन्नाहीहे सुतुसेयामंतनकहेमेंममकिंचनंथएतोएकंतपरमसुरकीदोहीहे

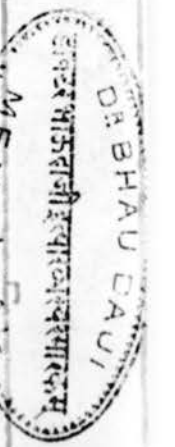
DR BHAU DAJI

वियेमोविमुषहुहिअनुक्रोदसा अरोहिमोषसुषुयहिनाअहमीमतिमोहीहे ॥६॥अथप्यानेय
रागजुगपुनबर्नेनचोयइछंद॥ प्यानकलाजिनकेघटजागी तेजगमोहमहाविरागी प्यानी
मगनवियेसुषमाही यहविपरीतिसंनवेनांही ॥७॥दोहरा॥ प्यानसकतिवेरागबलसिवसा
धेसमकालजोसोचनसारेरहे निरषेदोऊनाल ॥८॥अथमूढकर्मोकर्मस्वरूपनिरूपन
पद्धटछंद॥ मूढकरमकोकरनाहोवे फलअनिलाषधेरफलजोवे प्यानीक्रियाकरेफलसूनी
लगेनलेषनिर्जराहूनी॥ दोहरा॥ बंधकरमसोमूढजो पाटकीटतनुपम बुनेकरममांहि
मकनी गोरषधंधाजिम ॥२०॥अथप्यानाकाअंकर्तृत्वसवैया२३॥ जेनिजएरवकर्मउदेसुष
भुंजतसोगउदासरहेगे जेदुषमेंनाचिलापकरेनिरवेरहियतननापसहेगे हेजिनकेहिदअंतरमेंप्या
नक्रियाकरिकेफलकोनचहेगेतेमुविचक्षनप्यायकहतिनकोकरतासमोमकहेग ॥२१॥प्या
प्यानावुच्चेनसवैया३१॥ जिनकीसुदिष्टमेंअनिष्टइष्टदोऊसमजिनकेअचारसुविचारसुतथ्य
नरुखारषकोसागजलहेगपरमारथकोजिनकेवनजमननफलेनप्यानेहे जिनकीसमुझिममरीर
अहंमानियतषनकोमोचीलकक्रियानकोसोमान्यहे पारषीपरारथकेमाषीचमनारथकेनेईमा
धुकिनीकीकोयपारषप्यानहे ॥२२॥अथममकारममतानिषेधकथनसवैया३१॥ जेमकोमाजातासुषदाता
दुषसाताकर्मताकेउदेमूरषनसाहमगरुतुहे सुरगविलासीनरनिवासीअंतपंतानवासीमवनिको
तनमनकंपतुरहतुहे उरकोउपारोनरिएधायेसुपनसमोहोउतनिमकलयो आनदलहतुहेसरु
जसुवीरजाकोसामुतोमरीरअहंसाप्यानीजोवक्तारजकतुहे ॥२३॥अथसप्तभयनिरूपनकथनसवैया
इसलोकभय परलोकभय मरनवेदनाजानौं अनरक्षाभय अगुपुनभयहे अकस्मातनभयभात ॥२४॥

॥अथमनसयत्नस्तवनाभवया१॥ रसभयपरिग्रहविषयोगचिंताइष्टवस्तुगतिगमनभयपरलोक
गानिये ग्यानविकोहरनमरनसेकलवेसोई रोगादिककष्टयस्त्रवेदनावधानिये स्त्रीकरुमारीकोक
नांहीअनस्त्रासभयचोरनोविचारअगुप्तमनग्यानिये अनचिंतीअवही अचानककहांहोइअ
इसोनेअकमानजगतमेंजानिये ॥२०॥अथइंद्रियनिवारनत्तपया॥ नवमिथमिनपरवान
ग्यानअवगाहनिरमल आतमअंगअंगसंगपरभनरमअभ्यंतर छिनसंसुरसंसारविसवपरिवा
रसारजसुजरउतपतिनरूपत्रलयजासुभोगविरहतमुपरिगहअपंचपरगरपरमिइंद्रियवसय
उपजेनाचित ग्यानीनिसंकनिकलंकनिजग्यानरूपनिरषंतनित ॥२१॥अथपरलोकभयनिवारन
नमनत्तपया॥ ग्यानवंकइलोकजासुअवलोकसुषमुम इतरलोकमनांहिनांहिनिसमांहिदोष
उष पुनसुगतिदातारपापडरगांतेपहुंचायक शोकमुक्तिमांमेअधिकसिवदायक इहविधि
विचारपरलोकभयनस्त्रिापतवरतेसुचित ग्यानीनिसंकनिकलंकनिजग्यानरूपनिरषंतनित
॥२२॥अथमरनभयनिवारनमंत्रा.तपया॥ एरमजीवनामिमनेंअवअवतअंतरहितमनरंच
वनवत्तनीनिस्वासउस्वासत्राऊथिनि एदमग्रातविनासनाहिजगमरनकाहिकहू ग्यानग्रानमसु
मुनजोवृतिकालनाविकऊइयहचितकरतनहिमरननयभवभनिवरकथित ग्यानीनिसंक
निकलंकनिजग्यानरूपनिरषंतनित वेदनवारोजी
वजाहिवेदनसोउनियस्यवेदनाअनंगसुखोममअंगनाहियेकरमवेदनाउविधिएकसुखमय
तीयदुष शोकमोहविकारपुरुषगलाकारवस्तिपुरुष नवयसविचारमनमहियरतनवनवेदनाभय
विहित ग्यानीनिसंकनिकलंकनिजग्यानरूपनिरषंतनित ॥२३॥अथअनरक्षाभयनिवारनमं
त्रेछणया॥

जोवसुखनामरूपजगमांहिनिकालगत नासुविनासनहोइसहजनिहचेअवानमत सोममआ
नमरंवमरवयमलिरूपधर विविकारनरकुकनकोइनकुकनकोइपर जवहृष्टिशकारनिरष
रकिपतवअवस्त्रानषणसित ग्यानीनिसंकनिकलंकनिजग्यानरूपनिरषंतनित
परमरूपसपरतरुजासुलकनचिनमंडित परम
वेसनहनांहिमांहिमृत्युजगमअवंडित सोममरूपअनूपअनमितअदूषन नाहिवो
रकिमगइंद्रोरनहिलहरअउरजन चिंतवनएमधरिधजवतवअगुप्तसयउपसमित ग्या
नीनिसंकनिकलंकनिजग्यानरूपनिरषंतनित

मुखदुखयविरुकसजसुमसूइनिरुसम अनवगनारिअनंतअतुलअविचलसरूपम
म विरविसासपरगासवीतविकलपसुषघानक इंद्रविभनहिकोइसहजकुलनजानक
नवषट्विवेकउपजंतनवअकसमानतयवहिंत ग्यानीनिसंकनिकलंकनिजग्यानरूपनि
रषंतनित जोपरगुनत्यागानसुद्रमिलसुनगरंतभुवविस
जग्यानअंकुरजासुघरमहिप्रकासकुय जोउतरएवकर्मनिर्जरोधारावहतजोनवबंधनिरोधसुषमा
रगसुषखवन विसंवितादिजिसअष्टगुनअष्टकर्मअरिसंहरतसोपुरुषविचनरुनानासुपरवा
कारसिवदनकरत
शुद्धमनिसमेजानिएउतिय अवेक्षित प
रिनमनकृतीवअंगिनाशिलानि निर्मलदिष्टिचतुर्थमनु पंचअकषपरतोषथिरीकरनअठमसहज
लसमकरुलोपोयअष्टअंगपवलावना धर्मैनसंसैसुनक
मंडीनरधाचसुलकोइविनशिलानिग्यानोविनमें सांचदिष्टिएकाकग्यानीकोनरोसनायेवंचलताना

मेद्विज्ञानेनोर्ध्वचित्तमें धारनिजरूपसोउद्यादकीतरंगउठे एकस्त्रीके अंगजवजानेसमकिउमें नाहीसमकि
तकोधरेसोसमकिलवंतवरुमोषपावेयोनआवेफिरश्रुतमें

पुद्गलबंधनामेसुतो संगीतकलाप्रगासेनवबंधरुधिरालेनोरउद्धरिके निःसंकितआदिअष्टअंगसंग स
षाससमताअलायवारीकरेस्वरनरिके निजरानादगानेध्यानमरंगजोजेजकोमलनरमसमाधिरिऊ
करिके मत्तारंगलमिसेमुक्तसयोनिकालनावेसुदृष्टिनरंगपानसंगधरिरके

कहीनिजराकीकथा सिवपथसाधनहार अबकहुबंधनकर्मको करुअ
लपविस्तार नारमरूपाइजिनिसमारीविकल

कालनेसीनेअज्ञानवानविरदवरुहुरे औसोबंधमहाविकरालमहाजालुसमप्पोनमंदकरेवंदराऊमोगरुहु
रे ताकोबलजिनिवेकोघटमेप्रगटसयोअछतउदारजीववहिममरुहुरे नारेसमकितसूरआनंदअंकूरे
तादिनिरषिअनारसीनमानमोकरुहुरे

जहांपरमातमकलाकोपरगासतसधरधरामेसतसमरजकीधुप्पहै जहांसुरुअसूरुकरमकोपुंडासतरुं
मोरकेविलाममेंमहाअंधरधुप्पहै फेलाकिरेघटमीछयमीघटधरीबीचचेतनकिचेतनाशुद्धमेंएपुदु
प्पुरबुद्धिमोनगहीजाइज्ञानीसोनकरीजाइपानीकीतरंगजेसेंपानीमेंशुद्धप्पहै

कर्मजालवर्गनामोजगमेंनबंधजीववंधनकरताचिप्रनवचकायजोगसों चेतनअचेत
नकीहिंसासोनबंधजीवबंधोनअलपबहुविषविषयरागसों कर्मसोंअबंधसिद्धनागसोंअलखनिरंजन
सोंअबरूसाधुपातावियेनागसों इत्यादिकवस्तुकेमिलापसों तबबंधजीवबंधएकरागादिअसुद्धउपयो
गसों

कर्मजालवर्गणाकोवासलोकाकासमा

हिंसनवचकायकोनिवासगतिआउमें चेतनअचेतनकीहिंसावसेपुग्गलमेंविषेसोगवरतेउदेकेउरुआ
उमें रागादिकमुहनाअसुहतारेअलषकीयरेउपादनहेतुबंधकबहाउमें याहीतेंनिचेनबंधकरसो
तिरुकालरागदोषमोहनाहीसम्यकसुनाउमें कर्मजालजोगहि
सानागसोनबंधेनघापिपातानहिंसोनषानोजिनवेनमेंग्यानदिष्टेनविषेसोगनिसोंरतदोउकियाए
कथनषोतावनमांहीजनमें उरबलउहिमगरुफलकोनवरुनिरुद्दसानहोइहिरदेकेनेनमें आतमनि
रुहिमकीनूमिकानिधानमोहिजहांनमस्तारेजीवमोक्षनीहिसनमें
जबजाकोजेसेउर तबसोहतिहियान सकतिमरोरजीववही उरमहाअजुवान

जेसेंपुरुषपसोकर्दमकेकुंडजीवहिमअरूरपेनछूटेसबदंदसों जेसेंसोहकंरकीकारसों
उरझोमीनअचेतअलसानादरेसानतजेसंपसों जेसेंमरुथलतापसिंधवहिमोगरसपांवरकेनिजकाजिउठि
सकेनमुछंदसोंतेसेंग्यानवंतसबजानेनवसहजुबंधोफिरश्रुतबंधमफलफंदसों

जेजिमोहिनोदमसावेतनआलसीनिरुद्यमसवेरिहियानिजगुणगनाति
रुआलसतजिउहिमकीनां कानवाधसिरिमोसुमनिवा
धेपायनिसोजानेनगवारिकसीमनिकेसोकाचरुयारीसहजुकमेंमगनरहुरुकादोरुजीवातमानेपन
जानेकरुसाचरेमनकोपरिहिजानेजोरीजगतमोहिसाचडीसमुझिपरुजावनकीजाचरे जहांकोनुवामी
मोजानेरुकोमेरमजामेजाकोजेवोगताकोताहीरूपनाचरे
बधावेअबधकेनेआलसीअजानमुगतिरेउकरनाकरे तेनरउहिमवान
जबजगुजीवमुहवस्तुकोविचारेभावेनवतगुनागसोउरामीमरवगरुहागमेंमग

नास्तिक २१

दंतीकरे निंदकसोगुमानीकरे तिसनाघटावेतासोकरेनागरीसोजरासाधुगुरुरथतिन्हकोलगावेदोस
ऐसोकलूऊंनकोहिरदेमलीनरे ॥६०॥ मेकरतामेकीनीकेमी अब
योकरोकरेजोअमी एविपरीतनावेहेनोमे सोवरतेमिथ्यातदसामे ॥६१॥ दोहरा ॥ अरुजुहिमिथ्यादसा
धरेसुमिथ्यावत विकलसयोसमारमे करेविकलपक्षनंत
रविकेउरोतन्यस्लरातहिनहिनप्रतिभसुलिखेजीवनतोजीवनघटतुरे कालकेग्रसनलिनालिनलीनरो
तनन्यारकेचलनमानोकातिमोकरतुरे एनपरमूरखनयोजेपरमारथकोस्वारथकरुनचमत्कारघट
टतुरे तम्पाफिरेरागनिसोपग्यापरजोगनिमाविषसुखसागनिसोनेकुनरटतुरे ॥६२॥ पुनःसवै
ऐसेमूढगमत्रृषादीनकीतपतिमांहिंरृषावंतमृषाजलकारनन्यरतुरे तेमेसबवातमामाया
ईसोहितमानिमानिठानिठानिश्रमचमनारकनटतुरे आगेकेसुकृतधाइपाछेचलराचवाछेसेहिही
नरजेवरीवरतुरे तेसेमूरखचेतनसुखनकरहतिहररावतहमतफलबाबनघटतुरे
॥६३॥ लियेदिढपेवफिरेलोटनकबूतरसोउटोअनाहिकोनकेसुलटतुरे जाकोफलदुखतातीमातासो
करतसुखसरुतलयटोश्रमिथ्यारामीवटतुरे ऐसोमूढऊंनिजसपतिनलखेकोलीमालीमेरीमेरीनिसि
दामररटतुरे याहीममतासोपरमारथिविनसिजाइकधीकोपरमपारूपसोफटतुरे
रूपकीनुरुहियेकरमकोकोकपियेग्यानदिरसोमिरगाकजसघनमेलोचन
कीनाकमोनमानेसदगुरुहांकोलखदराकमोनिसांकतिरूपनमे रांककेकुग्रामकीकलीसीनामेनीनिधक
तीनकोसोजिभिरामोरेतनमेंनामोकरनांकतोकरांधिवकोकरेकाकलांकसोधरुगवांधिवाकधरेमनमे २२
॥६४॥ ऐसेकोऊंकरजुहिनमकरुनाचावेहनकीकोरविरुउरचुरे

मुखमें गालतनुरसनामलदानिकोमोसफाटेचारेनिजरुधिरमंठस्वादमुखमे तेसेमूढविषयीपुरु
परतिरीदिग्यनेतामेंमित्रसमेहितमानेवेरुषमे देखेंपरतकलहानिमलमूलबधिग्रेलुटिजातिवि
षगिरेहेरामरुखमे
सहाकरमसों
चिन्हमरुजचेतनकरो मोहविकलतामानिमिथ्यातीकेरसो करेविकलपक्षनंतश्रुतिधारिके
लाभुनिजोथिरसोश्रममज्जनिवारिके
॥प्रसंखातलोकपरमानजेमिथ्यातनाचनेश्रेयचरत्नावकेवलीउकतिहे जिन्हकोमिथ्यातूगयो
सम्यगदरसनजोनेकियतत्तीनचिन्हारसोयुकतहे निरविकलनिरुपाधिज्ञातमसमाधिसाधिजसु
खनमोक्षपंथकोटुकतहे तेईश्रीपरमरसाधिथिरतूपकेकेश्रममेंचुकेमकरमसोंकतहे
जेजेमोहकरमकीपरनतिबंधविदानकहीतुममह संततिचिनमुद्रचेत
नसोनिन्हकोफलहेतुकऊमह केथरुसरुजजीवकोकोचुकेमिमिलेपुग्गलरूप सीसलनाईमिथ्य
इमरुडतकरेसुमुकतमरसुलुनह
जैसेंगानाचरनपुरीचमाहरीजेरेव
डकरुविमलमनिमरुजकरातिहे ऊकालतामासैबबचसुकोविचारकीजेपुरीकीऊलकसोचरनजातिरा
तिहे तेमंजीवरचकोपुग्गलनिमिमरूपतानाममतामोहमहिरावीमातिहे तेहरुपानहिहिसोसुनाचमाधि
लीजेनरुसाचीमुहचेतनाश्रवाचीसुखमांतिहे जेमेम
हीमंडलमेंवरकोप्रवाहएकनारे जैसेनेकनातिनीरकीहरनिहे पावरकोजोसहरुभरुदी मरोरहतिकांकर
कीबांतिनकोकांकीफरनिहे पोनदीकोफोरतलंबलतरंगडेनमिकीनिचातिनसोरदीपरनिहे तेसेएकय ?
तमाचनतरमुरुगलडुसकेजोगमिथ्यातकीमरनिहे

चेतनलक्षननआतमा जडलक्षननजाड ननकी ममता त्यागिके जीजे चेतनचाल

जोजगकी करनी सबउलटजोजगजाननजोवनजोई देखत्रवानपेदेखसोइ मरोदेख
अचेतनचेतनसोई देखधरयनुदेखसोनिकरेपरउलटेनहिकोई लखनवरविचखनबूझतलखनसो
परलखनकोई देखअचेतनप्रेतदरीरजरतसरीमलषेतकीकारी या
धिकीपारआराधकीउंटउपाधकीडोरमहाधिसोंमारी रीझियरूकरेसुधहानिइनेपरतोनाहिलागत
थारी देखतोताहिनेजगीनिरनपेंतूंहीतजोकिनदरकीथारी सुनुज्ञानीमरगुरुकहे दे
खेरूकीघानि धरेमरजडुषदोषकी करेमोषकीहानि रत
कीसीगढीकिधेमढीहमसानकेसी अदअधरीजेसीकंदरासेलकी रूपकीचमकदमकपरसूषनकी
धोबलागेतलीजेसीकलीहैकनेलकी अगुनकीओढीमरतसोढीमोरकाकसोढीमायाकीमसूरतिहैसू
रतिहमेलकी अेसीदेखयाहीकमनदेखयाकी संगतिसोफेरहीहमारीगतिकोलुकैवेलकी

चोरचोररगतकेऊंकसनकेकुंडहाडनमोंसरीजेसेपरीहैचुरेलकी नेकंधकेकिलगेअेसेफरिजाइ
मामोंकागदकी पुरीकिधेंचादरिहैचेलकी रूपेनश्वानिवानेमटनसोंपरिवानिकरेसुषातानिअरुषानिवर
फेलकी अेसीदेखयाहीकमनदेखयाकी संगतिसोफेरहीहमारीगतिकोलुकैवेलकी

पाटीबंधीलोचनिसोंसकुचेदबोच
निसोंकोचनकेसाचिसोंनवेदषदेतनको धरूंहीधरूंअरूधरूंमाहिलगेपोजनवारवारअरुकाय २३
रहेमनको सूषसहेप्यासअरुऊनमकोचासअरुपिरधनागरेनउमाकलहेचिनको पराधीनघरनेजेकोको
लुकोकमरावेलुतेयोईस्कलावयाजगतवासीजनको

जगत
जालमेंकोले जगवासीमूएधरेधनकेमंदीपकिधेंरतकेमषूहेहैदीमेपटसूषनअंबरसोनीकेफिरिफी
कछिनमांऊसांऊअंबरजोमरहैमोरकेन्यनलदगेमायाकीमनीसोपगकालकी अनीसालग
उमकसेफूहैधरमकीबूऊनांहिरेऊंसरममांहिनोंचिनोंवि मरिजांहिमराकेमेंहैहै

जामेंनूंकरूनयहसंपदाहमारीसोनोसाधनिआधारी अमनेसमाकल
नकी जामोनेंकरूनरूमपुनजोगपाईसोनानरकीमांईस्वमाईकिंदहिनकीधरगमांहिपसादंचिरेसु
षअंधनकोमायनूंकसूटतपिराईजेसेनिनकी एनपरहोनिउदासीजगवासीजोवजगमअंध
ताहनसाताएकछिनकी एजगवासीमरुजगत इनसोंताहिनकाज तरघटमेंहुग
वसेतामेंतेराराज यहीनरपिंडमेंविराजेत्रिभुवनधनिधि
यहीमनिविधिपनिमरुपऋद्धिहै यहीमकरमकी उपाधिदुषदावानलयहीमेंसमाधिसुषवारिद
कीवृष्टिहै यामेंकरतारकरतनियहीमेंकिलनियामेंनागयहीमेंवियोगयामेंहरषहै यहीमेंमिलो
समवगतिनगुपुनरुपलाहकी प्रगटजाकेअंतरसुदिष्टिहै
रूचिचंनचिचारिकेगुरुनंत्यपदसूझतनाहीं यातुहियानिनचेतनलक्षनहैनिजमेंनिजरूझतनाहीं
सुरुझुझदसरामतिबूझतमायाकेफंदअरूझतनाहीं तेरामुरूपनछंदकीदाहमनाहीमेरेनोहिमूझत
नांही कईउदासरूपलुकारनकेंकरूविज्ञानिकरूके
कईघनामूकरंगहिमूरतिकईपरास्वतंत्रदिलीके कईकल्पयमानकरूपरिकईकरूपनुरुविज्ञ
मांके मेराधनीनहिरदमंतरमांहिमरुप्राप्तिसूझतनहिं करेसुपुरुजोसमकतीपर
मनदासीलाइ सुथिरकिनअनुलाकरें यरूपदपरमेसोइ

DR BHAU DAJI

छिनमेंधरमीछिनरीममयासोमज्ञानछिनमेंरतिछिनमांहिजेसामकरू छियेदारश्रुपछिनछिनमेंय
नंतरूपकोलाल्लवानतमधानकोसातकरू नरकोमाधारकिंधारररूरूटकोमावारकोमावार
किंकंतारकोसोचकरू ऐसोमनभ्रामवसुधिरनाजकेमहाउरहीकोचेवल्यनाहिकोवक
हू भयोमदाकालेपनपायोकरूसावोसुयरूपसोविमुधडुषकरूपवासवा
साहू धरमकोघातीअधरमकोसंघातीमलाकरापातीजाकीसन्निपातकीसीटसारू मायाकोज्व
पटिगरूकायामेंनपटिरल्लूलोजमलीरमेवहीरकोमासमाहू ऐसोमनचंचलपताकाकासो
चंवलसुप्रानजगसोनिरवानपंथधसारू जोमनकेवायमें वरतेचंवलसाहू जोमन
ध्यानविचारमोंरुकेसुभविचलहाइ नातेविषयकषायमोंफेरिभ्रमनकी वानि
सुद्धातमअनुभोविषकीजूभविचलवानि अलषअपूरति
अरूपीअविनासीअजनिधारनिगमनिरंजननिरंधरू नानारूपसेसयरेचेतनपदेसधरेचेतनकोषध
रू मारूधरेमोरूसोविराजतासतासनोरिसोनमोरिसोनिरागीनिरबंधरू ऐसोविलनदयारीघ
टमेंनिकरनरेंगाहीतहविकारूपमनआरसवंधरू
धमसुद्धिहिसोमरीरूपकोजनिभिन्नतोमेंआरसूक्षमशरीरसिन्नमानिये अष्टकर्मलावकीउपाधि
मोऊकीजेभिन्नताकूमेंबुद्धिकोविलासातिन्नजानिये तामेंअनुचेतनविराजतअषकरूपवेस्तुतपा
नकूपवानउरआनिये यासोकाविचारकरिवाहीमेंमगनहूजेवाकोएसाधिवकोअसाधिगानिये
इहिविधिविलसभवस्थाजाने रागादिकूनिजरूपनमाने तातें २४
मनवचनजगमांहीकरमबंधकोकरतानांही ग्यानीनिरग्यान

मोविलेछिपुग्गलकर्मआतमी कथमिमोनिरोकरिमानतो ताकोमूलकारणअसुहरागनाबतोकर
सिवकोसुरुअनुसोअप्पासद्दानतो याहीअनुकमपरूपमनमधत्यागिआपुमाहिआपुनामगा न
गहिआनतो साधिसिवचालनिरबंधरो नतिरूकालकवलमिलाकपाइसोकालाकजानतो
तेमेकोउहिसकअज्ञानमस्वलवानसाहिमलविरख नधारग
हिवाकूसो तेमेंमतिमानसर्वकर्मलावकमतियागिकरूअतीनमतिप्यानकीरसाकूमो याहीकियाअनु
सारमिटमोहअंधकारजेप्रातिकवलप्रभनमवितासकूसो चूकेनमकतिसोलुकेनपुग्गलमांहिधुकमो
षघलकोनरुकदिरिकाकूसो
बंधद्वारपूरनयो जोउदयनिदान अवधरनोमंत्रपसो मोषद्वारसुषथान
नरग्यानआरामोउकारमकरग्यानीजीवआतमध्यारसिन्नमिन्नचरचे अनुभाव्यसो
मनरूपरमधरमगरूकरमलरमनाषनोनाथातियरचे योरोधमुषसवकेकूलनिकरआवश्रवनपूरा
मपावश्रवनकूपरचे नयोनिरदोरनास्किरनोनकुलआविस्वनाषनाहिवनारमीआरचे
कालपकजनीसावधानकूपरमपनीजेमीचुडिलेनीघटमांहिका
रिदीनीरू पेडीनोकरमसहिदरवकरमलहिमुलाउचिंताउनाकीसंधिसाधिलीनीरू तरूनाधपातीहिलनयी
निनिधरादोएकमुधामईएकमुधारमनीनीरू घुधसाविरचिमुधासिधुमेंमगनलहेतीसवकियाएकम
सर्वाचकीनीरू नमलनीलाल्की करएकसोताइ जम्बूचेतनकीजिनतातोमुलुहिकाइ
धरतिधरमफलरूरतिकरमफूलमनवंचनवलकर
तिममरपन लषतिव्यसनमिनचषतिस्मनरितलषतिव्यमितवितकरिचितदरपन करूनिमरमधुरदरू

यह तो वस्तु वर्णन जो मरजादा वस्तु की सो मत्ता परवान

लोकालोक मान एक मत्ता रूप आकार्श दर्व धर्म दर्व एक मत्ता लोकपरमिति रूप लोकपरवान एक मत्ता
रूप धर्म दर्व का लछ अन्य असंख्य मत्ता अगनितिरूप पुद्गल दर्व परवान की अनंत मत्ता जीव की अनंत
मत्ता न्यारी न्यारी बिनिरूप को कहे मत्ता का लक्षन मत्ता मिलि एक मेक रहइ सो वस्तु मरजादा अनादि ही की थिति रूप
एक होइ दर्व इनही का रूप जगत जाल तामें पांच रूप एक चेतन रूप जीव
तारू की अनंत मत्ता का रूप सो नाम लिये को एक एक मत्ता में अनंत गुन गान रूप एक एक मत्ता में अनंत प
रजाय फिरे एक में अनेक रहिनाति परवान रूप ये रूप वस्तु मरजादा ये सुख पाय ये मो
क्ष को निदान रूप
माधी दधि मधु मद्य आरा धी रसपं
द्रनि में जहां द्रव्य नि में मत्ता लीजे सो सार रूप ग्यान मत्ता में सुख अनिधन मत्ता ही में मत्ता की फुरनि सु
मत्ता सुधा सार रूप मत्ता को मरूप मोष मत्ता न लेय रूप दोष मत्ता को उलंघ धर्म धर्मी में विरुद्ध आचार रूप मत्ता की
समाधि में विराजि रहे सोई धर्म मत्ता ते निकसि आचार गरु सोई चार रूप
जामें लोक वेद नाहिं पक्षा पक्षी नाहिं पाप पुन्य भेद नाहिं क्रिया नाहिं करनी जामें
गद नाहिं जामें बंध मोष नाहिं जामें प्रभुता सनत्व को मत्ता नाहिं ध्यान नाहिं जामें ऊंच नीच रीति नाहिं जामें
जीति नाहिं जामें गुरु सीष नाहिं विषै सुधा नाहिं सरनी आप्त अवरत नाहिं काहू की सरन नाहिं जे मी मुक्ष
मत्ता की समाधि में विराजि रहे
जाके घट स २६
मता नही ममता मगन मदांध रमता राम न जानई सो अपराधी जीव अपराधी मिथ्या मती
निरदै हिरदै बंध पर को मानै आतमा करै करम को बंध ऊंधी करनी आचरै ऊंध मुक्ति को वास

ऊंधी सगनि रिए धरै ऊंधे प्रभु को दास माटी रूमि सेल की मुसैपै
संपदा वधाने निज कर्म में मगन जो ग्यानमें जरूर रूप अपनो न रूप गहे आरही सो आपा को कहे माता तास
माखि जाके असाता करूर रूप कापको कृपान सिए मान मद पान ने किए माया की मरा रहिए को सकीलहर
रूप याही लखि चेतन अचेतन की संगति सो मासु सो विषम स्थो ऊलमे वरूर रूप तीनि
काल अनीत अनागत वरतमान जगमें अबधि ते प्रवारू को फरूर रूप तामा करूप मरोहि नय रूप मरी राति
रूप मरी घरी यरूप मरो ई पहर रूप वरूष जानो जोर तामा करूप मरो गरूजरूप वसना सा करूप मरो ई मरूर रूप य
ही सखि चेतन अचेतन की सीमा सासु सो विषम वरूप ऊलमे वरूर रूप

जिनके मिथ्या मति नही ग्यान कला घर घटि परचे आतम रस मसो तेई अपराधी नाहि
जिनके धरम ध्यान पावक प्रगट्यो संसै मोह विभ्रम विरवनी नाठ
दहे जिनकी चिलमी आगम वरस्यान रूमि नागे लागे न करम रज ग्यान गज वटे रूप जिनकी समुझि की
तरंग अंग अंग समे अंग समनि पुन्य पाप तम मेंकटे रूप तेई परमारथी पुनीत नर आठो जाम रामरस गटा
करय रूप पाटे रूप
जिनकी चिरूंटि चिमटासी गुन चुनने को करूपा के सुनिबे कारा
उंची नमटे रूप जिनको सरल चित्त को मरूम वचन बोले सो मटिहि लिए को लेमा मके रस गटे रूप जिनके घ स
कनि जागी अलख आराधि बे को परम समाधि साधिबे को मन वटे रूप तेई परमारथी पुनीत नर आठो जाम
राम रस गटा करय रूप पाटे रूप
रामरसिक अरु रामरस करन सुनन को
दाइज अध्यातम समाधि परगट नई नवधा विधि नित्य नित्य करन अवनि चित
वन जाप पटन पठावन उपदेसिन करू विधि क्रिया कलाप सुद्धातम अनुभो जरू मुना
चारत रूप नहि करम मारग विषै शिव मारग शिव माहि इहि विधि वस्तु

अवस्थाजैसी करी जिनंदकरी मैनैसी जेप्रमादसंजुतमुनिराजा तिनकौ मुखासवारसौंकाजा
जहांप्रमादरसानस्थापै तहांअकलंकस्वपनौआपै ताकारनप्रमादसंजुतपाती प्रगटमोक्षमारगकौघा
ती जेप्रमादसंजुतगुनाथ उतरिगि रिहिमिउकौनांई जेप्रमादतजिउदृतरोहा तिनकौ
मोषनिकटदिगसोही घटमैंरहै प्रमादजबतांई पराधीनपातीतनमाहं जबप्रमादकीप्रभु
तामै नवपथनग्रंथनुनौपरगामै ताकारनजगपंथदृश्त उतसिवमारगजोर पर
मादजगकौधुकै अपरमादसिवदेर जेपरमादीआ
लसी तिनकैविकलपलहर होहिसिथिलग्रंथनुलोपिये तिनकौसिवपदडर जेअविकलपी
अनुसवी सुद्धचेतनायुक्त तेमुनिवरलघुकालमै होहिकरमसोमुक्त जेपरमादीआलसी
तेअभिमानीजीव जेअविकलपी अनुसवी तेसमरसीसदीव
जेसैपरुषबलथैपुरुषारथहिंसरपुरुषताहिलघुलगा सरवरपुरुषलथैताकौलघुव
तहिमिलेउकौचमतगा तैसेंअभिमानीउतनगलहैर्जावकौलघुपदृदगा अभिमानीकौंकहु
ससवगपानजगैसमतारसजगा करमकैनारीसमुझैनगुन
कौमरमपरमग्रंथनीतीअधरमरीतिगहै होहिननरमचितनगरमघरमहूतेवरमकौहाहिसौनरमहूलिर
हे आसननसौलेमुषवचननसौबोलैसिरनौएंकनकैलेमानौपायरकैवरुहै देषतकैराउसवपंथकैव
टाकरैसेमायाकैबलरा अरैसेमायाकैबटाकरैअभिमानीजीवकैरहै
धीरकैधरैयानवनीरकैतरैयानयसीरकैहरैयानरबीरजोउमहहै मारकैमरैयासुविचारकैकरैया २१
सुबदारकैटरैयागुनलोभौबरलहरै रूपकैरिझैयासबूझकैसमुझैयासबहीकैजघनैयासबकैऊ
चोलसहै वामकैनमैयाउधरामकैमैयाजैसैरामकैरमैयानरग्यानीजीवकहै

जेसमकतीजीवसमचेती तिनकीकथाकहैउमसती जहां
प्रसारक्रियानहिकोई निरविकलअनुभौपदसोई परिगहत्यागजोगथिरतीसौ करमबंध
नहिहोनवीसौ जहांनरागदोषरसपोषै प्रगटमोषमारगसुषसोषै प्रबबंधउदैनहिआ
वै जहांनसपूनग्यानरूपाये प्रबनावगुननिमलनिधारा बोधनिधानबिविधिविसतारा जिनकी
मरजग्यनस्था ऐसी तिनकहिरदैविबेकसमी जेमुनिषिपकषैलिबहिधा एनकबलगवांनकुल
ए इहविधिजेप्रबनसए ग्रंथकरमबनदा ए तिनकौमहिमाजैसैनमैबनारसिनाहि
नवउमुद्दअक्षरगयउमिथ्यातमहरनसि कमकमलतउदो
तमरुजिमसुकलपक्षससि केवलरूपप्रगासितासिसुधरासिधरमधुवकरिश्रनषितिआउत्मा
गगनिनाउपरमकुवहहिविधिग्रनथपसुनाधरतपगटबुंदसागरथयउ अविचलग्रंथकथ्यउत्त
यग्रंथजीवदरवजगमरुजयउ

ग्यानावरनीकगएजासियेजुहैसुसवदरसनावरनकेगएतेसवदेषिये वेदनीकरमकेगएतेनिरावा
धरसमाहनीकगएसुद्धचारितविसेषिय आयुकर्मगएअवगाहनअरुलघुनामकर्मगएअ
मूरतीकपषिये अगुरुअलघुरूपहूतगोतकर्मगएअंतरायगएतेअनंतबलपषिये
इतिश्रीनाटकसमयसारकेपरमग्रंथकेअधिकार ग्रंथवरन
नामंछपमो सरवविसुद्धिदार करमकाकरताहैजागनि
कोजागताहैजाकौप्रभुतामैग्रंथमाकथनग्रंथितहै जामैएकसौइयालिपंचधाकथतनाहिमघानि
रोगबंधभावभारहितहै ग्यानकाममूरतग्यानगम्यहै मुनाउजाकोलोकआपीसोकातीनलो

कर्मभरनिहे मुद्धक्षासुद्धचेतनाकेरसअंससरसो अंशोअंसपरमपुनीततासहितरहे
जोनिर्द्वैनिरमलसदा आत्मिधअरूधंत सोचिद्रूपवदारसी जगतमाहिजयवंत

जीवकरमकरतानहिजेसें रसनागतासुखाउनजेसें मिथ्यामति
गोकरताहोइ गएअग्यानअकरतासोई निर्द्वै
निरतसताउनाही आतमाकोआतमीकधरमपरमपरगामना अतीतअनागतवरतमान
कालजाकोकेवलसरूएसुलोकालोकनासना सोईजीवसंसारअवस्थामाहिकरमको
करतादीसेनिएनरमनपासना येहेमहामोहकोपसारयहेमिथ्याचारयहेअविचि
हारवासना यथाजीवकरतानकरावे तथासागता
नांउनयावे रेलोगीमिथ्यामतिमांही गएमिथ्यातसागतानांही

जगवासीअग्यानीत्रिकालपरजाइछुद्धसुतानिर्वेसागनिको
सागताकरूयोहे समकतीजीवजागसागसोउदासीतातमरूअनागतागरयनिमगायोरू
वोहीसोतिवस्तुकोअवस्थाअवधारिशुधपरताकसागिअपनसुनाउआयोहे निर्विकल्पिनिरूपा
धिअतमअराधिसाधिजागजुगतिसमाधिमसमायेरू
विनमुशधारीधअधर्मअधिकारीगुनरतननसारीअपरारकर्मरागको प्यारोपंहतिनकोकुंसा
रोमोक्षमारगमेंप्यारोपुद्गलसोउदासराउपयोगकोजानेनिजपरतन्तरूजगमुविरतगहेनमुम २८
नमनवचकायजोगको नाकारनग्यानीप्यानावरनादिकरमकोकरतानहोइसोजागतानहोइसो
गको निरनिलाषकरनीकरतोजागअकविघटमांहि तातेसाधकमिहसम करतानुम

DR BHAU DAJI

तानांहि जोंहियअंधविकलमिथ्यातधरमहाकलपिनि
कलपउपनावत गहिएकंतपरग्रातमकोकरतामानिअंधोमुधाबत तोजिउमतीरएकचारि
त्रीकरिकरिनीकरतारकलावत चेतनपुकतिनघापिपूलमति विनुसमकिनलवपारनपावत
चेतनचंकजीवतिथिलीना पुद्गलकरमअचेतनचीन्हा यो
मी एकबेतकेरोऊ जरपिनघापिमिलेनाल्किऊ निजनिजलाक्षेयासरिसो
पकयापिनकोइ करतापुद्गलकरमको जीवकरासोहोइ
जीवअरूपुग्गलकरमरूएकबनजद्यपितद्यपिमन्नाभारीभारीकरहे लक्षनसुरूपसुनपरजुक्तिन
इएहमेंअनादिहीकीडविधाकरहे एतेपरभिन्नतानलामेंजीवकरमकीजोउमिथ्यासाउनोतो
अबीवाउवरहे ग्यानकरातोतातअसीसूझीदिहिलईजीवकर्मभिन्नकोअकरतारमहीरू
एकबसुद्धमीछुरे तासोमिलेनग्यानजीवअकरताकरमको यहेअनुभोपरवान
जेउरमतीविकलअग्यानी जिनकुंरीतिपरीतिनिजानी
मथानमगनसरमकेसरता तेभिन्नभावकरमकेकरता जेमिथ्यातमतातिमरसो
बनजीवअजीव तहांलावितकरमकेकरतासहिसदीव नेअसुद्धपरनतिथिरे करेअसुद्धपरवा
न तेअसुद्धपरिनामके करताहोहिअग्यान सिद्धकरासुनुतुम्
करो दुविधिकर्मकारूप एकर्मपुद्गलमई भावकरमचिद्रूप करतादरवितकरमको जी
वनरूहहिकालअवयवलावितकरमनुम करोकोनहीचाल करतायाकोकोनरू कोनक
रेफलजोग केपुद्गलकेआतमा केउजकोसंजोग

नास्ति २२ किणएककरताजुगल योदजिनागममांहि अथवाकरनीओरकी ओरकरयोनांहि करेओर
फललागवे ओर दिनहिएम जोकरतासोलगता यहुयथोक्तजिय सावकरमकरमता सबसे
हुनहिकोइ जोजगकीकरनीकरे जगवासीजियसोइ जियकरताजियलोगता जावकर्मजिय
बांध पुद्गलकरेलागवे दुविधामिथ्याजाल तातेनावितकरमको करेमिथ्यातीजीव मुषड
अन्याएसपदा लुटेसज्जसदीव
पलगेकरे आतमाअकरतारहरूपरतरे तिनसोजुकोऊकरूजीवकरताहता मार्यारकरकरमको
करताकरमरु अरुमिथ्यामगनमिथ्यानीजूलघातीजीवजिनकेएम्बनाक्रियोस्कासरमरु तिनको
मिथ्यादृष्टिकरिवेको केगुरुसास्वादपरवानजातमथरमरु
वेनकरतालागता मिथ्यामगनअज्ञान नहिकरतानहिलागता तिन्वेसम्यकवान
तेसमध्यमतीकरूअलषअकरताहेसर्वथाप्रकारकरतानहोइ
कबहीनेसजिनमतीगुरुमुषएकपलसुनियाहीनाम्रिमानेसोएकलतजोअवही जोलोडुरमनीताको
करमकोकरताहेसुमतीसदा अकरतारकहोसवही जाकघरम्यायकलुसाउजगपूजवहीमासाता
जगवासमांनिरालोसयानवंती बोधवनकवादीकरे छि
नलगुरतनमांहि प्रथमसमेजोजीवरे दितियसमेसोनांहि तातेमरेमतविषं करेकरमजोकोइ
सोनलागवेसरवथा ओरलागनारोइ यहएकानमिथ्यान २२
पथ दृष्टिकरलेकाज विपरितासअविचलकथा साषेश्रीजिनराज वा
आपनकारुपुरुषदेषोपुरहुकोइ तरुनलषिदिरकेनथा करेअगरयहसोइ तोऽऊपरमे

एकघा तातेसुदिरमकीय ओरपुरुषकोअनुसया ओरनजानेजीय जबयहवचनअगर
सुनो चयौ सुमोजेनमतसुरु नयएकंतवादीपुरुषजेनतयोप्रतिकुइ
एकपरजाएकसमेमेजिनसिद्धान्तमी परजाएजेसमेउपजतिरु ताकोज्ञान
पकरकेजोधकरुसमेसमेनवोवीवसपवे पुरातनकीछतिरु तातेमानेकरमकाकरताहेओरजी
वनागताहेओरवाकेहिएमेसी मतिरु परजप्रमानकोमरवादरवजानेअसदुरबुद्धीकेग्रवस्प
दुरगतिरु दुरबुद्धीमिथ्यामती दुरगतिमिथ्यावान्त ग
हिएकंतदुरबुद्धिसो मुकुतनलहइत्रिकाल करेअनातमकी
कथा चरुनअनातमसुद्धि रहेअध्यातमसो विमुष दुरगहिदुरबुद्धि कायासोनि
चारश्रीतिमायाहीमकारजीतिनीएतरीतिजेसकासिद्धकीलकरी चेएलकेजोरनसंगारुगहिरहेमू
मिसोहीपाइगाकर्पनजाइटेकपक्की मोहकोमरारसोतरमकोनलारपावेधवेकरुउरसोवदाव
जातमकरी अमीदुरबुद्धिनूलीफलेकेशमूलीफूलीहिरमतजंजीरनसोजकरी
वानसुनिवाकिऊवेवातहीसोलाकिऊवनानसानरमहेहवातहीमाअकरी निदाकरमा
धुकीप्रससाकरेहिंसकहीमातामानेअमातामानेपकरी मोषनमुद्धदृष्टायदयेनरुषेविनादृष्टा
तसोकराइजेसनारसोजकरी असोदुरबुद्धिनूलीफलेकेशमूलीफूलीहिरमतजंजीरन
सोजकरी कबकिरुजीवतिनसगुरकेईकरुकरमकरता
र कबकिरमरहितिनजंपरिनयअनंतनानापरकारजे एकनगरुतमूरषपंडितअनेकंतपषधार
तेसलिलमुगतागमगुनसागरुतकहावेकार यथाभूतसंथहुविना मुगतमारगनहि

नोहि जैसे चंद किरण परगटि सूमि समतकरे नूमसी नरो
तिसदा जोतिसी रतिरु तेसे ग्यान मगतिपुंकामदेय उपदेय गेयाकार दीसि पर गेयकोमहतिरु सुखसुमु
द्धपरजाइरूपपरिनवे सत्ता पस्वानमांहेदोरुनदहतिहे मोताओरूपकवरुनरो इसरवधानिस्चेचनादि
जिनवानीयोकहतिहे रागविरोध उदेनवले जवलोयदृष्टीवसु
वामगक्षीवेग्यानजपोजवचेतनको तवधैर्यदसापररूपकरुवे कर्मविनाशिकरेअनुक्रोतस्सोहमिध्यातप
वेसनपावे मोरुगएउपजेसुखकेवलमि द्धतयोजगमाहिनआवे
जीवकरमसंजोगमहजमिथ्यातरूपधर रागदोषपरनतिस्ताजानेनआ
पपर नममिथ्यानमिलिगयवस्त्वोममकिनउदोतमसि रागदोषकहुवस्तुनाहिजिनमोहिगएनसि अ
नुभोअस्पासिसुधरासिरमिसयउनिपुनतारनतरन पूरनब्रह्मासनिस्चलनिरखिवानारमिवंरत्नरन
कोउसिष्यकरुस्वामीरागदोषपरिनामताकोमूलपरकरुरू
पमकोनरु पुग्गलकरमजोग किधौइष्टिकोनागकिधौधनकिधौपरिजनकिधौसोनरु गुरुकरुअरोट
वंअपनअपनरूपसवनिकोसराअसईपरिनोनरु कोऊदर्पकाएकोनपरकदाविनातेरागदोषमाह
मृषामदिराअंचोनरु कोऊमूरषयोकरे रागदोषपरिनो
म पुग्गलकीजारावरी वरतेअातमराम जोजोपुग्गलकलकरधरिधरिकर्मजनिय रागदोषकोप
रिनमनसोसोरुविशेष इहविधिजाविपरीतिपष गरुसदएकोइमानररागविरोधमेो कमरुम
जिननरोइ मुगुरुकरुजगमेरहे पुग्गलसंगसदीव मरुजसुरुपरिनमनको ओसरलेरुनजीव
तातेविदलावनिविधे समरघचेतनराउ रागविरोधमिथ्यातमे सम्पकमेसिवलाउ

जैसेदीपकरजनीमे विरुद्धिसिकरेउद्योत प्रगटे घटपटरूपपे घरपटरूपनदोत सोसुग्यानजाने
सकल गेयवस्तुको मर्म गेयाज्ञातिपरिनवे पे तेनज्ञातमधर्म ग्यांधर्मकमिचउसदा गरुविकारन
कोइ रागविरोधविभोत्मय कवरुनूलिनरोइ अेसीनहिग्यानकी निस्चेरुघरमाहि मूरष
मिथ्यादृष्टिसो मरुजविलोकेनाहि परसुलाचमेमनके ठानेरा
गविरोध धरेपरिग्रहारना करेनज्ञातमसोध
मूरषकेघटअरमतिसासी पंडितदृष्टिसुमतिकरमकरावे सुमतिराधिकारामरमावे
ऊविजाकारीरूचरी करेजगतपेषर अलषकाराधेराधिकाजानेनिजपरलेष
कुटिलबुरूपअंगलगीहेपराइसंगअपुनोअवानकरिग्यापूरीविकाईहि
गरुगतिअंधकीसीसकलनिकमंधकीसीमंधकाकुहाउकरेअंधीमेभईहे रंकीसीरीतिलीएमाकडीसीम
नवारीसोकडोसुकंपकोलेकिंकडीसीआईहे घरकोनजानेनरकरेपराधीनवेप्यानेउरबुधिहामीकिंकिंउ
कराईहि रूपकीरसीलीचमरुजुपकीकीलीसीलसुधारुसु
मुरुलीलीसीलीसुखदाईहि प्रावीग्यानलतानकीमूलेहिनिदानकीसुरसाखिरवाचीरसचीवकुराईहे अ
मरीषवरदारामरीरमनलतारामरसपंथनिमेग्रंथनिमेगाईहे सतनिकीमानीनिरवानीसूरतीनिमानी
यातेमरजुहिरानीराधिकारहानीहे वरुविनायरुराधिका दोऊमीतगतिवसेवरुन्द्र
धिकारिनकरमकी यरुविवेककीषानि दरवकरमपुग्गलरसा नाचनरममतिवकुजो सुग्यानकोए
रिनमन सोविवेकजुनकुक जेसेनरबेदारचो परकोज्ञानविचारि
करेविनवाउ धरेरुवाहिमाखिछिचलसोपासाजुकछुपरसो दाऊ तेसेजगतजीवसा रघकोकरेउरिमचिंतवे

उपाइ लिख्योतिलाटलहसोइफुनकरमचक्रकोयहसुनाउ
जेसंवरप्रेलप्रसंतरजकोसमूहेसवसनरजकीघान चलेवालनिरषेरोकदलमोहरागमेविचारिमानमेसमा
धनिपुनमिवपथमेलिकनलषेतजेउतपात साधेगुनविनुवेअनेपरयरुविवेकचक्रकीघात
मतरंजयेलेराधिका कुवजायेलेसार याकेनिसदिनजीतको वाकेनिसदिनहार जाकेउरकुविजाव
मे सोईनिलषअजोनजाकेहिरदेराधिका सोबुधममकवान
जेसमुद्रपानकीकलाबदोनदीमे तरंसुद्रताधवानसुद्रवारितकोसमरे नाकारन
ग्यानी सवजानेगेयवस्तुमर्मविरागविलासधर्मवाकोमरवमरे रागदोषमोहकीदसासोंनिन्नरहेया
तेसर्वधाविकालकर्मजालकोविधंसहे निरूपाधिआतमसमाधिमे विराजतातेकहिये जगटपूरनपरम
हंसरे ग्यायकसाबजनतसु सुद्धचरनकीचाल तातेग्यानविरागमिलिभ्रमवसा
भ्रमकाल जथाअंधकूपपर चढेपंगुनरकोइ वाकेहि
गवाकेचरन लोहिपथिकामिलिहाइ तथाग्यानक्रियामिले जक्तमोषमगसोइ वरजानेपरकोम
रम वरूपदमेथिरलाइ ग्यानजीवकीसजगता
कर्मजीवकीनूल ग्यानमोष अरुकरमजगतकोमूल ग्यानचेतनाकेजगे पगटेकेवलराम क
मचितनमेवसे कर्मबंधपरिनाम
जबलगुग्यानचेतनासारी तबलगुजीवविकलसंसारी जबघटग्यानचेतनाजागी तबलमकुतीम ३२
हजवैरागी सिद्धसमानरूपनिजजाने परमजागलावपरमाने सुद्धातमअनुभोअभ्यासे वि
धिकरमकीममतानासे ग्यानचेतनअपनीकथा

करेआपसोआप मेमिथ्यातदसाविषे कीनेबहुविधिपाप हिरदेहमारेमहामो
हकीविकलताही तातेकरुनानकीनीजीवघातकी आपपापकीनेऔरनिकोउपदेशदीनकं
ती अनुमोदनाकरमेरयाही बातकी मनवचकायमेमगनहेकमाएकर्मधारुचमजालमेकरुएरुमपान
की ग्यानकेउदोतएहमारीदसाऐसीभईजैसेकोनसासतअवलोकनहारा तथा
ग्याननयनसासतअबानग्यानवानकरुकरुनानिधानअमलमेरोरूपरु
कालसोअनीतकर्मचालसोअनीतजोगजालसोअतीतजाकीमहिमाअदपरु मोहकोविलासय
हेजगतकोवासमनोजगतसासुनपापपुनअंधकूपरु पापकिनिकियोकोनकरेकरिहेमुकोनक्रि
याकोविचारेमपनेकीठौरअपरु मेयोकीनोयोकरो
अवयरुमरोकाम मनवचकायमेवसे एमिथ्यातपरिनाम मनवचकायकरमफल करमदसा
जरुअंग दरवितपुगलपिंडमय नावितकरमतरंग तातेंआतमधरममो करमसुभाउंच
रत कोनकरावेकाहूके कोसलरुसबहूउ करनीहितरुरनी
मदा मुकतितितरनीनहि गनीबंधपरहितिविषे सनीमहाउमगंहि करनीकीध
रनीमरुमारुराजावसकरनीअग्यानतावराकमकीपुरीहे करनीकरमकापापुगलकी प्रतिछाया
करनीप्रगटमायामिमरीकीचुरीहे करनीकालरूपेउरझिरह्योविषानंदकरनीकीउदग्यानचानदृढि
चुरीहे आचारजकहे करनीसेविवहारीजीवकरनीसरीवनिश्चयसरूपचुरीहे
मृषामोहकीपरनतिप्रेल्ली तातेकरमचेतनामेल्ली ग्यानहोतकरमसमुझीएतो जीवमदी
बनिकपरहतो जीवअनादिमरूपममकरमरहितनिरूपाधि अविनासीअपरमपर

मैत्रीकालकरनीमोमारा चिद्विलास
सुषमयमिद्धसमाधि
पद जगतउसारा रागविरोधमोहममताही मेरो अवलंबनमुझमाही
ममकतन
करूं अपनगुन मोनितरागविरोधमारीतो मेकरतूतिकरो निरवलंकमोहविषरसत्यागतनीतो सु
इसुचेतनको अनुभोकरिमजगमोहममतासटजीतो मोषसमी पनुथो अवमोकुकालअनंतइतिवि
धिवीतो करविकसनमेंसदा रहो ग्यानरसराचि सुद्धातमअनुभवतिमो पलितनको
इकदाचि पुद्गकरमविषतरुतए उदेसोगफलफूल मेरुन्नकोनहितोगता यहजहां
दिरमूल जोश्रवबंधतकर्मफूलं रुचिसोनुजेनाहि मनगन
रहेआगेपरुर सुद्धातमपरमोहि मोक्षबंधकर्मदसारहित पावेमोषतुरंत तुजेपरमसमाधिसु
ष आगमकालअनंत जाश्रवबंधउर्मविर
पविषफलनहितुजइ जोगजुगतिकारजकरंतममतानघनुजइ रागविरोधिनिरोधिसंगविकलएम
वलंइ सुद्धातमअनुभोअभ्यासिसिवनारकुमहइ जोग्यानवंतपरुमग चलतश्ररनकेवलउर
मोपरमज्योती इसुषविषैमगनरूपसंतनरुई निरलंभि
रकुलनिगमवेदनिरलेपजाकपरगासमेंजगतमाहयुहे रूपरसगंधफासपुद्गलकोविलासतासो
उदवमजाकोजसगाइयुहे विषुरुसोविरतपरियुहमोपारासत्तजाभजोगनियुहविलपाइयुहे
सोहग्यानपरवानचेतननिधनतासुअविनासीईसमानिसीमनाइयुहे ३२
जिसोनिरुपदरूपनिरुचेअतीतजुतो तेसोनिरुलेपअकलंकतो सोमेकमरहितमहितपुष
ममाधनपायोनिजधानफिरिवारुरनवरुगो कबहुंकपाविअपनोमुलाउसागिकारिरागरसराचिके

नयरक्षगुरुगो अमलानग्यानविद्यमानपरगटसयोयाहीसांतिसागमअनंतकालरहेगो
जबहीतेचेतनाविलावमोवुद्धिआपुसभापाइअपनोमुलावगहिलीनोरु तब
हीतेजोजोलेनजागमोमासवस्तीनोजोजोत्यागजागमोमासवस्तादिनोरु विवेकीनरहीवारत्यागिवमा
नारीओरवाकीकलाउबस्योजुकारजलतीनोरु संगत्यागिअंगत्यागिकंचनतरंगत्यागिमनत्यागिचु
हित्यागिआपासुहकीनोरु सुरुग्यानकेदरुतरि सुरुग्यान
यनकोइ तातेकारनमाथकी एरवलिगनहिराइ एरवलिगसारोधगट करावचनविमान अ
इमरुतरिहिअरुमिधि एकरुहिनग्यान नयम
नग्यानतहिग्यानगरुवचनमेंमंत्रतंत्रमनग्यानकीकरुनीरु ग्रंथमनग्यानतहिग्यानकहियानुरी
मेवातनिमग्याननारिग्यानकरावानीरु तातेनयगुरुताकविनग्रंथमंत्रवातइनते अतीतग्यानवंत
मनिमानीरु ग्यानरूमग्यानतहिग्यानतोरुजोकरुनाकेघरग्यानसोग्यानकोनिदानीरु
नयधरिलोकनिकावचमाधरमठगयुरुमाकरावगरुवा
ईजातिवहिए मंत्रतंत्रसाधकरुवेगुनीजाइगरुडिनकालवृगइनाईजोमंत्रहिए कवितकीकलामेंप्र
वीनमाकरावेकविवानकहिजानमापुवारगीरहिए एतोमर्वविषकविषाकीमनयाधारीजीवइनकोविना
हिकंदयाकूपरहिए जाश्रयालतासावसो प्रगटग्यानकाग्र
ग पंतघपिअनुभादसा वरतेविगतंतरंग दरसनग्यानचरनदसा करेएकजोकाइ थिरकैसाधे
योगमग सुधीअवुलवीमाइ जोइहिग्यानवरनातमसंउ
हिंसारंभानिरदोषपरवस्तुकोनपरसेसुरुतानिवारेभावेसुरुतामकलिकरसुरुतामथिरकुअमृतथा

रावरसे त्यागिनन कष्टकेसपष्ट अष्टकरमको करिथानव्रह नष्टकरेओरकरमे सोई विकल्पविजई अ
लपकालमाहित्यागिगेसोनिरविकल्पअनुभोरसपीवे आपसमाहआपमेलीजे ननपोमहित्रपनपाकीजे
ताजविलावकजेमगनसुद्धातमपरमाहि एकमोक्षमारगयहै ओरदूसरानाहि
केईमिथादिष्टीजीवधरेजिनमुद्रानेधक्रियामेंमगनरहेकरुणम
तहि अचलअषंडमतलरहितसदाउद्योत अमेंपानस्वभावमाविमुखमूढमतीहि आगमसंलालेरा
वरोनेविवहारनालेपाहैअनजपितपाकिअविरतीहि आपुकोकरावेमोक्षमारगकेअधिकारीमोष
मोमदीवरुहदुरगतीहि जेविचारीमूढनर परजे बुद्धीजीव निरुकोवाछिक्रिया
कोहेअवलंबनरीव जेममुगधक्षीनयहियाने तुषतंडुलकोने
दनजाने तेमेंमूढमतीव्यवहारी लषेनबंधमोषविधिसारी क्रमतीवाछिअहिंसा वाछिक्रि
याकरंत मानेमोषपरंपरा मनमेंहरषधरंत
निरुकेदेहबुद्धिघटअंतरमु
निमुद्रासरिक्रियाषवानहि तेहियेअंधबंधकेकरता परमतवेकोनेदनजानहि जिनकेहिएसुमतिकी
कनिकावाछिक्रियासेषपरमानहि तेसमकतीमोषमारगमुषकरिप्रस्थानसवस्थितिनानहि
आचारजकरे जिनवचनकोवि सतारअगमअपारएक
हेगेरुमुकतिनो नकुतकोहिवेमोनमकरंदबुष्पनकी वांछिएमुक्तनप्रजोजनहेजितनो नानारूपनल
षमोनानाविकल्पवेतातेजेतोकारजकषनसलोनितनो सुद्धपरमातमकोअनुभोअभ्यासकीजियहै

नाषपंथपरमाहहैइतनो सुद्धातमअनुभोक्रिया सुद्धपानदिगदोर मुगतिपंथसा
धनमहै वागजालसबछोर जगतचक्षुआनंदमय
ग्यानचेतनानाम निरविकल्पसमासुतसुथिरकीजेअनुभोनाम अचलअषं
डितग्यानमय शरनवीतममल ग्यानगम्यवाधारहित सोहैआतमतत्व
सरवविसुद्धीद्वार यहु कह्यो प्रगटसि
द्धांत कुंदकुंदमुनिराजहुत पूरवश्रुतयोगरथ कुंदकुंदमु
निराजप्रवीना जिनश्रुतअंषसमापतकीना गाथाबंधसुप्राकृतवानी गुरुपरंपरासिवषानी
नयोगरंथजगतविष्याता सुनतभरुमषपावहिपाता जेनवरसअंगमाहिवषाने तेसबसमे
मारससाने प्रगटरूपसमारमे नवरसनाटिकहोइ नवरसगर्भितग्यानमे विरला
जानेकोइ प्रथमसिंगारवीरअरुसनीजोरसकरुनासुष
दायक हासचतुर्थरूद्रसपंचम भयानकबीभत्सविलायक सप्तमसंयअद्भुतरससुंदर नवमोसंतर
सनिकोनायक एनवरसएईनवनाटकजोजहंमगनसोईतिहिलायक
सोनामेसिंगारवसेवीर पुरुषारथमेंकोमत्यहिएमेंकरुनारसवषानिये आनंदमे
हासरुद्रमुंमेविराजेरुद्रवीरसतरुजहांगिनानिमनआनिये वितामेंभयानकबुद्धारुतामेंअद्भुतमा
षाकीअरुचिनामेंसंतरसमानिये एईनवरसनवरूपइनकोविस्तरुननुदिष्टिजोजानिये
पुनविचारसिंगारवीरउदिमउदारसष करुनाम
मरसरीतिरोमहिरेउल्लारुमुष अष्टकरमरूपलपटनरुद्धवरनेतेहियानक ननविस्तरुवीनसकुंदमुषए

सातवां नाटक अस्तुतस्तवन बंधद्वार सर्वविशुद्धद्वार साध्यसाधकद्वार पूर्वरंगद्वार उत्थानिका

अथ सातवां नाटक अस्तुतस्तवन बंधद्वार

सवैया ३१ सा

जाके उदै होत घट अंतर सुमति जागै, भागै मोह मूढ़ता मिथ्यात्व अंधकार है।
जाके उदै लोचन में सहज विवेक बढ़ै, चढ़ै ज्ञान गिरि सुद्ध चेतना उदार है।
जाके उदै करम भरम मल छीजै, निज निधि सूझै, बूझै आतम विचार है।
सोई जगवासी जगदीस महिमा प्रकासी, ताकी होहु सेवक हमारे वंदनीय वार है॥ १॥

अथ सर्वविशुद्धद्वार

दोहा

जाके उदै घट में बसै, सहज मोक्ष को पंथ।
सो जयवंत प्रवीन नित, नमस्कार भगवंत॥ २॥

अथ साध्यसाधकद्वार

सवैया ३१ सा

जाके उदै होत घट अंतर सुमति जागै, भागै मोह मूढ़ता मिथ्यात्व अंधकार है।
जाके उदै लोचन में सहज विवेक बढ़ै, चढ़ै ज्ञान गिरि सुद्ध चेतना उदार है।
जाके उदै करम भरम मल छीजै, निज निधि सूझै, बूझै आतम विचार है।
सोई जगवासी जगदीस महिमा प्रकासी, ताकी होहु सेवक हमारे वंदनीय वार है॥ १॥

अथ सर्वविशुद्धद्वार

दोहा

जाके उदै घट में बसै, सहज मोक्ष को पंथ।
सो जयवंत प्रवीन नित, नमस्कार भगवंत॥ २॥

अथ पूर्वरंगद्वार

सवैया ३१ सा

जाके उदै होत घट अंतर सुमति जागै, भागै मोह मूढ़ता मिथ्यात्व अंधकार है।
जाके उदै लोचन में सहज विवेक बढ़ै, चढ़ै ज्ञान गिरि सुद्ध चेतना उदार है।
जाके उदै करम भरम मल छीजै, निज निधि सूझै, बूझै आतम विचार है।
सोई जगवासी जगदीस महिमा प्रकासी, ताकी होहु सेवक हमारे वंदनीय वार है॥ १॥

अथ सर्वविशुद्धद्वार

दोहा

जाके उदै घट में बसै, सहज मोक्ष को पंथ।
सो जयवंत प्रवीन नित, नमस्कार भगवंत॥ २॥

ज्ञेप्यानअगमअगाधनिरावाधरसलसोहे ग्यायकसुखाइपरखाइसो अनेकलयोजद्यपिघणिएकता
कोकुधीकरेज्ञेप्यानमांहि
सोनहिरसोहे
नयकोआकारपरिनामिरह्योहैकरूकनांहिभाइये जबधसमऊसोग्यारिकेधरूपकीजेनवनिराकार
सुद्धग्यानमईनहोइये तासोसास्वादीकरेज्ञेप्यानको मुलउपरुगेयकोआकारवसुनारीकरुबोईये
जैसेनानारूपप्रतिबिंबकी ऊलवदीसेजद्यपिघणिप्रारभीविमलजोइये
कोऊअग्यकहेगेयाकारग्यानपरिनामजोसोविद्यमानतोसो
ग्यानपरगटरू गेयरूविनासलेतग्यानकोविनासरूइत्यमीवाकोदिरदमिथ्यातकी अलरहे तासोस
मकितवंतकरेअनुभोकाहीनपरजेप्रवानग्याननानाकारनटरू निरविकलपअविनस्वरदरवरूपग
ज्ञेयवसुसोंन्यारोपकअघटरू
कोऊमूरखकरेधर्मध्रि
धर्मआकासकालपुद्गलजीवसबमेरारूपजगमे जानेनमरमनिजमानेआपपरसुद्धाधिष्टि
करमधरमबेरूगमेममकलीजीव मुरुअनुभोअभ्यासेतातेपरकेममत्वत्यागकरिपगपगम अ
पनसुनाउममगनरहेआठोजामधरावाहीपथिककहावे मोक्षमगम
कोऊमठकरेजेतागयरूपपरवानतेतोग्यानलातेकरूअधिकनथो
रहे तिरूकालपरछेद्रव्यापीपरिनयोमानेआपानपिछानेअसीमिथाडिगदोरू जडमतीकरेजीव
सत्तापरवानग्यानगेयसोअबआपकजगतसिरमोरहे ग्यानकीप्रभामेंपतिछिनवितिविधिगेयजरू
पिनघाणिपितिमारीमारीभोरहे
कोकसुनवादीकरेगेयकेविनासतेनग्यानको विनासरूइकरूकेसेजीजिये तातेजीवनयताकीधि

रता निमित्तअवगेयाकारपरिनामनकोनामकीजिये सत्यवादीकरुनयाइजेनाहीसदविन्लगेयमा
विरचि ग्यानलिन्नमानिलीजीय ग्यायकमकतिसाधिअनुभोदमाचारधिकरमकोत्यागकेपरम
रसपीजीय
कोऊरूरकरू
कायाजीवदोऊएकपिंडेजनुएकनसर्गतिवहीजीवमरगो छायाकोमोहलरकिधमायाकोमोपरपंच
कायामेंसमायफिरकायाकोनाशगो मृषीकरुदस्मा अयापकमदीवजीवसमोपाइपरकोममत्वप
रिहरगो अपनसुनाउआइधारनाधरामधाइआ घुमंमगनरुकेआपासुइकरगो जौं
ननुकचुकत्यागसो विनमेनाहिचुयुग त्यामरारकनामतं अन्तमअन्तर्पिनअंग
कोऊडरबुधीकरुपहिलेनकोजीवदरुउपननउपनोहुअवआइ
कजोनादरुतालोदरुधारीफिरिदरुनमरहुगोअनघजातिजातिमेंसपाइके सदबुधीकरुजीवअनादिको
दरुधारीजबग्यानीहोइग्यानवहीकालपाइवो नवहीमोपरतनअपनामरूपलीजपावेगोपरमपदकर
मनमाइरू
कोऊपडपातजीवकरुगेय
करुआकारपरिनयोग्यानतानचेतनीअमतरू गेयकनमतचेतनाकोनामताकारनग्यानभाज्यचेतनाजि
कालमेरोमतरू पंडितकरुतग्यानमरुजअघटितरू गेयकाआकारधरेगेयमयविरतरू चेतनाकनामसो
तमताकोविनासोइग्यानग्यानचेतनाप्रवानजीवततरू
कोऊमूरखकरुतापिंपकमांहिजरूजरूमोआंचतचि अगलदलरुरू जागरूपलागरू
पनानाकारगेयरूपजेतसदकरमकरुतेजीवकंदरू मिनिमानकरुएकपिंडमाहिएकजीवताहीकअनतना
वचसफलिरदरू घुग्गलमालिन्नकर्मजागमाअथिरूसदाउपगेविनसोयरतामुलावगरू

को ऊ एक छिन वारी करै एक छिन मोहै एक जीव उपजत एक छिन म
तुरै जाही समै अंतर न वीन उतपति होइ ताही समै अथम पुरातन न्यू मतु मरवंगवारी कहैं जैसे मंजल वसु
एक माई जल विविधि नर गनिल मतु तैसे एक ज्ञातम दरवगुन परजै मो अनेकमया पै एक रूप दर
मतु ॥ काऊ वालबुधी कै रूप या एक म
निजो लो नालो ग्यान अरु जगत मध्य जानिय ग्यायक सकति काल पाइ मिटि जाइ जब तव अविरोध
बोध विमल तव मानिये परम प्रवीनकहे अैसी तीन वन वात जसे विनु परगास सूर जन मानिये तैसे विनु
ग्यायक ग्यक तिन कलो ग्यान नय रूतो नय क्ष परतरूप रवानिये
इहि विधि आतम ग्यान लहि स्यादवाद परवान सिव साधक बाधा रहित अखंड अषंडित ग्यान
स्यादवाद अधिकार यह कह्यो अलप विसतार अब तत्व मुनिज्ञवकरु साधक साधि उचार ॥ जो ई जीव

वस्तु अस्ति प्रमेय अगरुलघु प्रदेसवंतरू चेतन रूप नासरूप अविकलरूप पर
नव यहि गुनलरसो अनंतरू सो ई जीव दरव प्रवानसदा एकरूप नेमा सुद्धनिरूवे मुनावविरतंतरू
स्यादवाद भाखि साधिपद अधिकार कह्यो अब आगम कवि बो साधक सिद्धतरू साधि सुद्ध
केवलदसा अथवा सिद्धभए साधक अविरत आदि चतुर्थ बीनमोह परजंत ॥

जाको अधो अपूरव अनवृत्तिकरन को नयो नान नहीं गुरु वचन की वानी जाके अन नतानु
बंधी क्रोध मान माया लोभ अनादि मिथ्यात मिश्र समकित मोहनी मातो पर कित विधि किंचाप समीजा
कजरी रंग मजिठ समकित कला मोहनी सोई मोष साधक कह्यो या ताके मरवंग पगरी सकति गुन घान कछू

लोक वचन विचार सो पूरव हो हि मुज्ञान स्यादवाद

ज्ञातम दरव ताकारन वल वान+

रोहनी जाको मुकुति समीप नई नवस्थिति घटि गई ताकी नैन सीप सुगुरु भेद
चुकुता वचन ओवरवे चरवासमै प्रेम प्रवाह अंतर तोस गुरु
वानी बिरे जगत जीव हितकार चेतन जीतमजा गिवि
लोक रूजा गिरहकला माया के लाई आपकरी सो करी तुमना डगमाया रहगी जहा के लोई माया तुम्हारी
नजाति नपांति नवंस की वे लिन वंस की ऊई दासी की ए विनु जाति नि मास लज्जा सी अलिन की जे गुला
ई माया जाया एक रे घरे वढे छिन माहि इस की संगति जे लगे ते तिन हो कहो सुषनो
हि लोग नि सो कछु नाता न तेरो न तो मुकछु इहि लोग को नातो एनारहे रमि स्वारथ
के रसनं पर मारथ के रस माती एन मो न न मेन न सजन चेतन न लन मो नि न रागो लाहि सुषी अपनो
वल फरि के नारि के रागविरोध को नातो जेउ रजु ही जीव ते उत गपर वा वरे जे मम रसी
सदीव तिन को कछु मन चाहीए रंमी मि विषाद वमे विणे विवाद वमे काया मंपर
नगुरु वचन मे हीनता सुचि मोगि लानवंस पा पति प्रेम नि वसे जे मरहरि सुंदर दसा मे उविछीनता रोगव
सेज ना गमे संयोग मे वियोग वसगुण मे गरववसे सेवा मा हि दीनता ओर जगरी ति जेती शक्ति असाता
सेती सता की सप्त ली रूप कली उत्त मीनता जहि उत गवटि हि रि पतन नहीं उत गुव
रूप जे ति मुष मन्न तर जय वमे सो मुष रूप उष रूप जो विल से मुष मय रू गण ना हि दुष ल इ जो
धरती वकु छि नवती जरव गनि सो सोइ सचदमा रे मद गुरु वसे
प्रगट रूप जिन धर्म सुनवि रूकु नमद्दे मूढ न जाने धर्म
जैसे काऊ नगर कु वासी हि पुरुष वल लेना मे एक नर सुष एक दुष्ट नर को रोकु धिरे पुर के समीप

परेउपरमेंकालउरपुंघकोंशूलेपंघपुरको सोतोकरेउफारेनगरेउस्पेरहिंगमारगदिषावेसमकोवेषो
जपुरको नेपरसुष्टपृष्टिचोनेपेनमानेउष्टिरस्पवानतमेंउपेसमुरुको जेसेकालूजंगलमें
पावसकोसमोपाइअपनेसुआइसघनमेघवरषउरे आसलकषायकटुतीषनमधुरषारतेसोरसवादे
जलजेसोदरषतुरे तेसेंपानवंतनरगानकोवंयानकरेरसकोउमालूआलूपर धतुरे वहेधुनिमुनिकोऊ
गरेआकरेसाकोकालूकेविषादलईकोऊरषउरे गुरुउपरुनाकरुकरे डरागीवेसंसार
वसेसपाऊकेउदरजीवपंचपरकार दूधाधनूंधाचुउर
दूधारोकरुसुरुऊंघाउरजुरुविकल दूधाघोरचकुरु आकीपरमरसावि
ये करमकलंकनकोइ दूधाअगमअगाधपदवचनअगोचरसोइ
जोअासकेजगतमो गरुपरमरसपेम सोदूधागुरुवेअचन दूधावाउकजम
जोसुवचनरुचिसोसुने हिएउएतानाहि परमारथसनुकेनही सोदूधाजगमाहि
जाकेचिकयाहितलेगे आगमअंगअनिए सोकूधाविषईविकलदुष्टकुरुएपापिए
जाकेश्रवनवचननही नहिमनसुरतिविरामु अरुनासेजकबतउगो दूधाताकोनाम
दूधामिरुरूसवकोऊ दूधाउंघाअूरषदोई दूधाघोरविकलसंसारी दूधजीवभाकल
दूधासाधकभावको करेदोषदुषनाम जेरुपोषसनोषसो वरनोवरुनतनाम
धिक्कारी रूपाएसमसवेगदम अखिलाषवेराग एउरुनजाकेहिए ३८
जूवाआमिषमदिरादारी श्राषेट
सप्तव्यसनकोनाम हवितएसातोविसन
चोरीपरनारी एईसातविसनदुषदाई दुरितमूउदुरगतिकेजाई

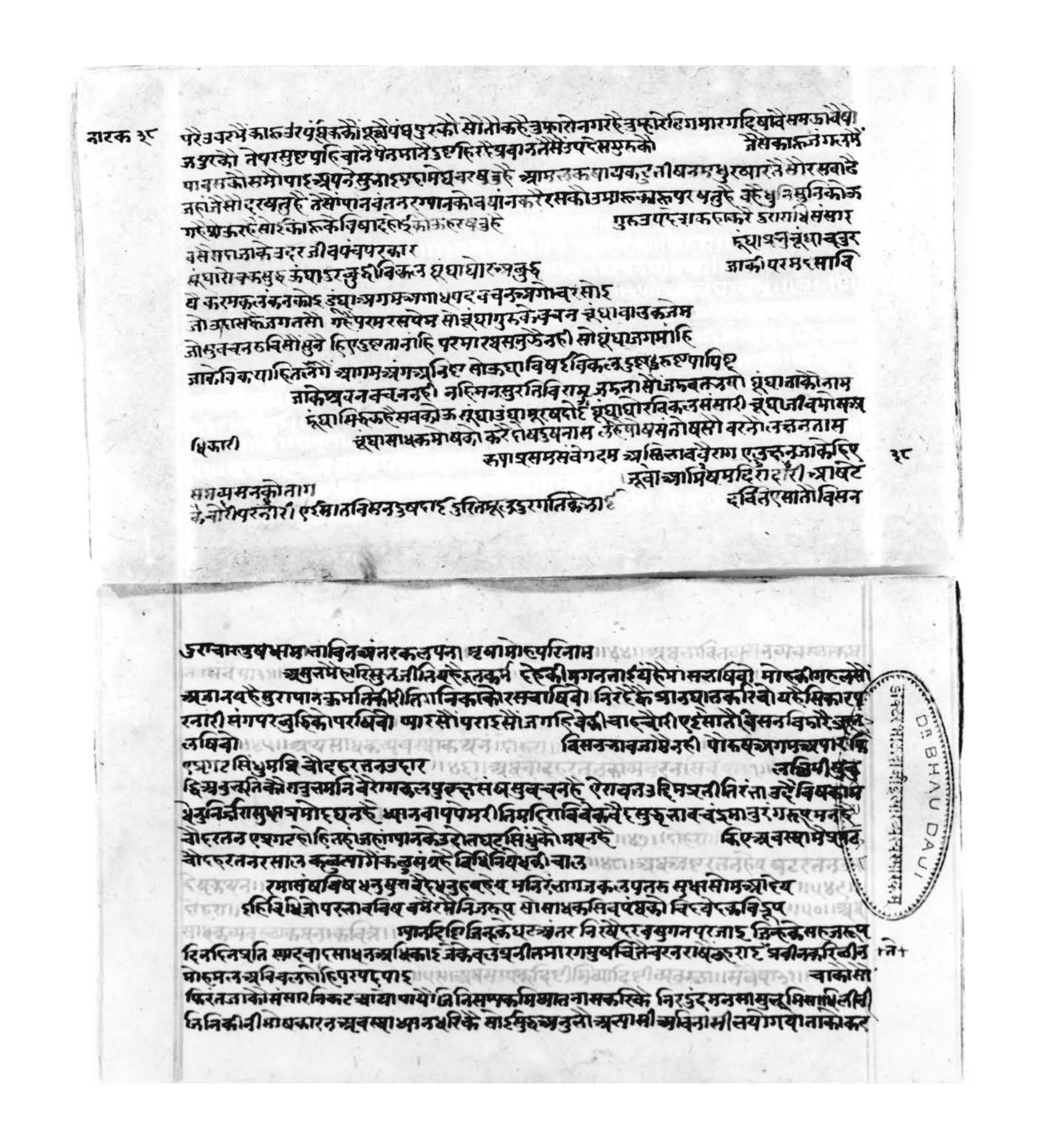

उरग्वामदुषभमअखिलविअंतरकलपना दूधाभोरुपरिनाम
असुभभेलरिसुनजीवितेरुतकर्म रेहकीमगनताईयेरुभासलाषिवो मोरुकीगरुलसो
अजानथरेसुरापानकुमतिकेरीतिमानिकाकोरसचाषिवो निरदेकुआनघातकरिवो यरुसिकारपु
रनारीसंगपरजुहिकोपरषिवो प्यारसोपराइसोजगहिवेदी चारचोरीएईसातोविसनविछोरुजुत
लषिवो विसनजावनाभेनही पोरुषअगमअपारकि
एप्राटसिंधुमधिचोदरुरतनउदार लछिमीसुत
हिअवुन्नतिकेगनुसमनिवेरागकलपुरुससंषसुवचनहे ऐरावनउहिमश्रीतिरंता उदेविषकाम
भेसुनिर्द्वासुषअषमोदघनरे श्रानवापेपमरीतिमदिराविवेकवेरसुहावबंध्माउरंगरूपमनरे
चोदरतनएषगटरुहितरुजलांपानकउरोतघटसिंधुको मथनरे किएअवस्थामेंघटउ
चोदरुरतनरसालकलुसागेकलुसंग्रहे विधिनिषधकी चाउ
रमासंषविषधनुसुतवैरधनुहबरुथ मनिरंलागजकलपतरु सुधासोमअोरथ
इहिविधिजोपरलावविष वसेरमेनिजरूप सोसाधकसिवपंथको विरवेरुविरूप
प्रानहिहिजिनकेघटअंतर निरखेपरब्रुगनपरजाइ जिन्हेंकुसरुजरूप
दिनदिनप्रति स्मरवासाधनअधिकाइ जेकेवलधनीतमारागसुषचिंतवनराषरुराइ प्रवीनकरिदीन
मोरुमत्तअविकलहोहिपरषपाइ चाकासो
फिरतजाकोसंसारनिकटआया पायेजिनिसम्पकमिथातनासकरिके निरवुरमनमासुत्रमिथाधिलीनी
जिनिकीनीमोषकारनअवस्थाधानधरिके साईमुरुअनुसोअसामी अविनासीसयोगयोनाकाकर

DR BHAU DAJI

नारक २९

मतरमरोगगरिके मिथ्यामतीअपनेसरूपनपिछानें तातेफोलेजगजालमेंअनंतकालभरिके
तेजीवदरवरूपनघपरजाइरूपदोऊनेंचवानिवसमु
द्धनागरुतहै जेअसुद्धनावविकेसागीतएसरवधाविधेसोविमुखकेविरागतावरुतहै जेशरुज
तावसागरनावहूनावनिकोअनुसोअसामविषेएकता करुतहै तेईंग्यानक्रियाकेआराध
कसहजमोषमारगकेसाधकअबाधकमरुतहै ॥
विनसिअंनादिअसुद्धता होइसुद्धतापोय तापरनतिकोवुरुकरे ग्यानक्रियामोमाष
जाकेघटअैसीदसासाधकतताकोनाम जैसेजोदीपकधरे मोऊजियारोंम +धार
जाकेघटअैसीदसामिथ्यातअंधकारगयोपरगासमुद्धसमकितभा
नको जागीमोरुनिजघटीममतापलकफरी जाकोजिनिमरमअबाधीसगवानको जाकोग्यानतेज
वग्पोवहिमउदारजग्पोलग्पोसुषपोषसमरसुधापानको तारीमुविषरुनकोसंसारनिकटआयो
पायोतिनिमारगसुगमनिरवानको जाकुहिरदेसादवादसाधनाकर
नसुद्धआतमाकोअनुसोप्रगटसयोहै जाकोसंकलपविकलपकविकारमिटिमदाकालएकीसा
वरसपरिनयोहै जिनिकोंधविधिपरिहारमोषअंगीकारअैसोसुविचारपक्षमोऊछाडिदियोहै ता
कीग्यानमहिमाउदोतहिनहिनपतिसोईसिवसागरउलंघिपारगमोहै
अैसिरूपनामनिअनेकएकशिरूपअथिरूपग्यारिनामारूपजीवकहि ३५
ए दीमेंएकनेकीप्रतिपक्षीनीअपरअजीवकोनेरिषादविषावेमेरहिये थिरतारुपविकल
पकीतरंगनिमेंचंचलतावहैअनुसोदमानलहिए तातेजीवअचलअबाधितअषएकअैसोपर

माधिकेसमाधिसुषगहिए तेमेंएकपाकोग्राव
फलनाकेचरित्रअमरसजाकीगुरुसीखीलकजवलानिये योतोनवनेपअैसेवचनेजसेंवहेफलरू
परसगधफासअथरूपवानिये तेसेंएकजीवकोदरवनेकालतावअैसेतदकरिनेलालिनवषा
निये दवरूपपेतरूपकालरूपनावरूपचारोरूपअलषअषसत्तामानिये
कोऊग्यानवानकरुग्यानकोहमारोरूपगयषटपरवसोहमारोरूपन
हीहै एकनेप्रवानअैसेजीअबकहेजैसेसमरसुतीअथरअरषएकगाहै तेसेंपातामरोनामग्पा
नचेतनाविरामगयरूपसकतिअनंतमुऊगाहै ताकारनवचनकेभेदभेदकहाकोऊपातामग्पान
गेयकोविलासमत्तामाहीहै अपरषकासकसकतिहमारी तातेवचनभेद
नुमत्तारी नेयदसाद्विधापरगामी निजरूपापररूपानासी निजरूपाग्यातममक
तिपररूपापरवस्त जिनिलषिलीनोपचयरुतिनिलिषिलियोममस्त
करमअवस्थामेंअसुद्धसाविलाकियेनकरमकलंकसोरहितसुद्धअंगहै ज
नेनप्रवानसमकलसुद्धासुद्धरूपअैसोपरजाइधारीजीवनानारगहै एकहीसमेंविधरूपपेत
धापियाकीअषछितचेतनानामकतिसरवगहै यहेस्वादग्याकोनेरसास्वादीजानेपरवसमाने
याकोत्योहिगलगहै सिद्धक्षेदरवदिष्टिदीजैतवएकरूपगुनपरनतिसे
दसावमांचफलहै अैसेषपरेससंजुगतमत्तापरवानग्यानकीप्रलासोलाकालोकमानजुतहै पर
जैनरगनिकअंगछिननंगुरुचेतनामकतिसों अथछितअचुतहै मोरजीवजगतविनायकजग
तमारजाकीमोजमहिमाअपारअद्भुतहै किनावमकतिपरनतिमोछि

लहीसे मुरुवेचनाविचारतसज्जसंतरे करमसजोगसो कहावेगतिजोनिवासीनिहचेसरूपसदा
मुक्तमरुतरे ग्यायकसुलायरलोकालोकपरगासीमत्तापरवानमत्तापरगामवनरे सारुजीव
ज्ञानलजरुनकोसुकीगरुनजाकोकीरतिकरुनअनादिअनंतरे

एवपरकारग्यानावरनकोनासकरिसुगरीपमिहजगमांहिजगमगहि ग्यायकप्र
भामेनानागेयदीअवस्थारिअनेकलहैएकताकरसपगहियालांतिरगीअनंतकाल
एरअंतअनंतसकतिहारिअनंतसोलगीहे नरदेहदेवलमेकेवलसरूपमुहेसोग्यानजोति
कीसिखासमाधिजगहि

अरहंतमगनरहेसदाकालमरुसुखदेवाजैसीसेवाकामगविकी अखलअबाधितअलखयु
नगावनाहे पावनापरमसुहावनाहेनवहीमिथ्यातिमिरअपहारावहैमानधाराजैसीउत
जोमलोकिरनरियेरविकी ऐसेहेअमृतचरुहलाखिधारूपधरेअनुहे दसागरघटीकाबुधि
कविकी

अबकविनिजहरवदसा कहेआपसोग्याप सरुजरुपमनमेधरे करेनपछाता
प जोमेंआपाछाडिदीनोपररूपगहिलीहोकीनानवसरोतहेजरुमरोमलले
लागमिकोलागीछैकरमकोकरतानयोहिरदेमारेरागरोषमोहमलहे ऐसीविपरीतचालसई
जोअतीतकालसोतोमरीक्रियाकीममतातांकेफलहे ग्यानदृष्टिनासीसएक्रियासोउदामीकृ
मिथ्यामोहनिद्रामेंसुपिनेसोबलहे

अमृतचंदमुनिराजकृत श्रीनाटकसमैसार नाटकसमाप्त

इतिश्रीसमैसारनाटकको साध्यसाधकद्वारसमाप्तः

जाकीवगतिप्रभावसोकीनोपघनिवार जिनप्रतिमाजिनसारिखी नमेहनारसिनाहि
जाकेमुखदरसमें नगनकेनेवनिको थिरताकी
वांनिवही चंचलनाहिनसी मुद्रादेखेकेवलकीमुद्राकीप्रभावैजहजाकेआगे इंद्रकीविभूतिहूतीसोत
नसी जाकोजसजंपतसुरकासजगेहिरमैसाईसुरुमनीसाइकतीडोमडिनसी करतवनारसीसुमहि
माप्रगटजाकी सेहेजिनकीसकलप्रतिबिंबानजिनसी

जाकेवरअंतरबुद्धिरुपीलहरिसीविनसीमिथ्यातमोहनिद्राकीममारखी सेलीछि
नमासनकीफेलीजाकेघटसोगरबकोसागीघटरवकोपारखी आगमके अक्षरपरेहेजाकेच
वनमेंहिरदेछारमैसमावीवानीआरखी करुनवनारसीअनुपनवहिनिजाकीसाईजिनप्रतिमा
प्रवानेजिनसारिखी जिनप्रतिमाजनतोभवितरे मीमनवाह
नवारमिवंरहे फिरभवमाहिहिवारेजैसा नाटकग्रंथपरमपदजैसा परमतत्वपरचेसमझही
गुनग्यानकीरचनानारी यामेंसुनग्यानकरसझलकेतोगरंथकीप्रतिसोभापावे इहविचारसं
सेपमो गुनग्यानकरसलोज वरनकरेवनारसी कारनसिवपथखोज

नियतएकविनरारमो जीवचतुर्दसतेरंगजोगबकविवसयो जोपटमरुजुलपे
प्रथममिथ्यातगुनठानसासादनतीजोमिश्र
चतुरथोअव्रतपांचमोव्रतवंछे छठोपरमतमातवोअपरवैनगामग्यातवोअहरनकरनसुखसंछे
नोमोअनवर्तिनावरसमोसूछमलोभनएकरससमोबुधउपसंतमोहवंछे खदसमोखीनमोहतेरहोस
जोगीजिनवोरहोअजोगीजाकीथितिअंतपंछे वरनसवयुनठानके नामचतुरसिसार

टस्त्रायतनविशेष तीनिमूढतासंयुगत दोषपच्चीसीएष जातिलाभकुलरूपत
प बलविद्याऋधिकार इन्हकोगरव मुकीजीयइ यहुमदअष्टप्रकार
आमकाश्रीस्थिरतावंछा ममताडिग्दिसाडुरगंछा वछलरहितदोषपरलोषे चितप्रसावनाभोत्तिनरोषे
कुगुरुकुदेवकुधर्मधर उगुरुकुदेवकुधर्म इनकीकरेसराहना यहछायतनसम्यक्
देवमूढगुरुमूढता धर्ममूढतादोष आवआठषटतीनिमलि एपचवीससम्यक्व
दोष ग्यानगर्वमतिमंदता निठुरवचनउदगार सप्तभयआठमदसा
नासपंचपरकार लोगरूढलयलोगरूढि अथसोचशंकितवेद मिथ्यात्व
गमकीसगति मृषादरसनीसेव अतीचारएपंचप्रकारा समलकरस्लिमकिनकीक्षरा
दूषनसूषनगतिअनुसरनी दसआवसमकितकीवरनी प्रकृतिसात
अबभोरुकी करोजिनागमजोइ जिनकोउदोनिवारिहै समकितदरसनहोइ चारितमोहु
कीचारिमिथातकीतितिनतोमेषप्रथमप्रकृतिअनुतानुबंधीकोहनी बीजीमरुमानरसनीजी मायामइतीजीलोभ
धीमहालोभउदसापरिगरुपोहनी पंचइमिथातमतिळडीमिश्रपुरनतिमानरसमेषप्रकृतिसमकितमोहनी एई
षटविगचनितासीएककृतियासीसातोमोहप्रकृतिकरोवेसत्तारोहनी
सातप्रकृतिउपसमहिजासुमोउपयमपंक्तिसातप्रकृतिक्षयकरनहारउयढीअषंकित सातमाहिकि
बुपिपरकिसुकउपसमकरिषइसोक्षयउपसमवंतमिश्रसमकितरमचषइ षटप्रकृतिउपसमइवाविपरुष
प्रकाळयउपसमकरइ सातइप्रकृतिजाकउदेसोवेदकसमकितधरइ ४२
उयउपसमकरतेविधिवेदकचारिप्रकार क्षायकउपसमजुमै मोक्षयसमकितधार

चारिविषइक्षयउपसमहि बनवेउपसमदोइ षषरउपसमएकठां षयउपस
मविकठोइ उलकारिपरकिंतिविधाहि वेउपसमइकवेद
षयउपसमवेदकदसा तासुक्षयमयरुतेद पंचविषइकउपसम इकवेदजाहिठोर सोषयउप
समवेदकी दसाकहियइसार षषरवेदए
कजा क्षायकवेदकसोइ षटउपसमइकप्रकिंतिविदउपसमवेदकहोइ क्षायकउपसमकीदसा
प्ररवषटपदमाहि कहीप्रगटअवपुनउकति कारनवरनीनाहि षयउपस
वेदकविषइ उपसमसमकितचारि तीनिवारिइकइकमिलित सवनवभेदविचार
अवनिरूपइविचार अरुसामानविसेषविधि करोचारियरकार र
चनासमकितकीमकी मिथ्यामतिगंतिसहितगानिरमलजातिजागमोअनीतसुनीति
रुचिप्रवानिय करुदेवदसासोकरुवेजागमुइधरमकीप्रतिपानंदविचारमानिय चेतनाचिन्हपरखानि
आपापरवेदोभेदयअनुपतातमामानवयानिय करुनेदअनेकोविचारविसतारुपरुषगेयउपादेयसो
निमयजानिये विरतिमागरतनतीम चंतपुकुरतएकवा अवरतिरुकतिमरीस यरुचउचर्यगुणथा
नइति अववरनाइकनीसगुन अरुआवकसचिनष्य जिनकुमयरुपाग
मा मारुप्रावकपष्य लक्षावादयावंतप्रमतप्र
तिवंतपरुषकोदकयापरउपगारि मोमदिछीगुनथाग्रीहयसनकेइछामहष्यकीमिष्यवादीदीरघ
विचारहि विमयगपरसगपलतगपतपुधरमगपनदीतनआसीमानीमथचुचरारि मरुजावनीतपापक्रिया
सोअनांत अमेक्षावउपुनीत इकवीसगुनधरीहि

उंबराघोरवडानिमिसोजनवडवडीजोवेगनमक्षन पीपरवडउंबरीकठुंबरिपाकरिजोफलहोइअजानकंदमूल
माटीविषआमिषमधुमांषनवूरुमदिरापान फलअतिदुरुतसारचलितरसजिनमतएनावीमअषा
न ॥२७॥ अवपंचमगुनधानकी रचनावरनोअस्म जोमेएकादसदसा प्रतिमानामविकस्म ॥२८॥ अघर
कास्राप्रतिमानामकथनसवेया ॥२९॥ दंसनविमुद्धकारी वारुव्रतधारी सामायकवारी पर्वपोसहविधिवरै
सचित्तकापरिहारी दिवाअपरसनारी आठोजामब्रह्मचारीनिरारंभीकरै पापपरिगरुछैपापद्वारनिवारा
मंत्रकोउच्चारैनिमिषकरेसुवस्तुनगरै एतेदसव्रतकेधरैयासमकनीजीवप्रारुप्रतिमातिसरे नगवंत
जीकरै ॥३०॥ अथप्रतिमाकथन ॥ संजमअंसनपोनरु नोगअरुविपरिनाम उदेप्रतिमाकोन
यो प्रतिमाताकोनाम ॥ आवमूगुनसंयरै कुविसनकियानकोइ दूंस
गुनजिमलिकरै दंसनप्रतिमासोइ ॥३१॥ अथव्रतीयाप्रतिमाजघाकथन ॥ एकअनुव्रतअारै तीनिगु
नव्रतपालै सिक्षाव्रतचारोधरै यरुव्रतप्रतिमाचालै ॥३२॥ अथसत्रीयाप्रतिमायथाकथन ॥ दर्वनादविवि
धिसंजुगुत दिएअतिपारक तजिममतासमतागहै अंतमुहुरतएक ॥ जोअरिमित्रसमान
विचारै अारतरुद्रध्यानविवारै संजमसहितसावनासावै सोसामायकव्रतकरुवै
सामायककीसीदसा चारिपरिहरलेइ होइअथवाआठपहररहै पोसहप्रतिमासो
ई ॥३३॥ अथपंचमीप्रतिमाजघाकथन ॥ जोसचित्तसोअननजै पीवैप्रासुकनीर सोसचित्तत्यागीपुरु
ष पंचप्रतिमागीर ॥३४॥ अथछठीप्रतिमाकथन ॥ जोनिसवर्यव्रतपालै तियभोगनि
सोसमंनालै गहिनोवाफकरैअतरहा सोछटप्रतिमाधारकहा ॥३५॥ अथसातमीप्रतिमाधरगपाता सीलसिरो

मनिजगतविख्याता तियसंगलयासपेमरुचिनिरखैदेपरीछतासव
मधुवेन घूरवलोगकेविरसचित्तनगरुवअारारलैतचित्तचेन करिसचित्तनभिंगारवनावतनियपरजक
मधमुषसैन मनमथकथाउदरलगिजोजनएनवचनिमिनजैन
जोविचेकविधिआदरै करैनपापारंभसोश्रष्टमीप्रतिमाधनी पुनगतिविजेरवयंत
जोदसभपरिगहकोत्यागी कुबसंतोषसहितवैरागी समरसमिलितिह
मिनयारी सोणानकनोप्रतिमावारी परकोंपापारंभकोडोरै
एहपदेस सोदसमीप्रतिमासहित ध्यानकविगतकलेस
जोसुंदरवरतेनजिकरा मनमंकमस्करैवसेरा उमिनआरारवडकविहारी सोएकादसाप्रतिमाधारी
एकादसप्रतिमादसा कही देसव्रतमाहि वही अनुकमभूलमो
गतीसुचूरीनांहि परप्रतिमातजिएम मथमनवपर
जंत उनमदस्वामीइम्पारभी इतिप्रतिमाविरतंत
एकोटिपरवगनिलीजै तामेंआवरषघटिकीजे परजनहिएकालपि
तिनाकी अंतमुहुरतजघनदसाकी मनरिलाषकरोहि अमिति
जपनसएसकरोहि एतेवरषमिलाइकहि इरवसंख्याजेपहि
नमुहुरतकेघटी कछुकघातेवनहिए एकसमेएकाकृती अंतमुहुरतजिनिए यरुएमगुनथानकी
स्वनाकही विचित्र अवछेगुनथानकी दसाकहेमुनिमित्र
पंचमप्रादसाधरे अछादसगुनवान धरिरुलपनिनकलपजुत हेप्रभनगुनधाम

यथाख्यातचारित्रपरगामे जाहिफरमैकैनीवगिरि परकैरेगुनरर् सोएकादसमीदसा उपममकी सररूर्
केवलगपानिकटउरूआवे तरू जीवलवभोषि पावे धुरटेयथा
स्यातपरधाका सोक्षादासमद्धीनगुनवाना घर मनमग्र
छमनवम दसमएकादसचार अंतमुफरतएकवा एकसमैणितिधार ज्ञीनमारद्वरनरूपो
करिचूरनवितचाउ अवसंजासगुनघानकी वरनोदसारसाल
जाकीउषदाताघाताचौकरी विनसिगईचौकरी अघाताजरीजेवरी समानरे प्रगटसयो
अनंतदंसन अनंतग्यानकी रजअनंतसुषसत्तासमाधीनरे जामेआऊनामगोतवेदनी घरूतिअस्मी
इक्यासी वोरासी वापचासी परवानरे सोहैजिनकेवलीजगतवासीलगवानताकीजोअवस्थासा
सजोगीगुनघानरे जो अकोलपरजकमुडाक्षारीमरवशअघवासुकालसगमुडधि
रपालरे वेतसपरसकमघरूतिकेउदआएविनाप्रसगरअंतरिरूजाकीचालरे जाघातिप्रकृतिअरवकरो
किंग्राउवर्षघाटिअंतरमुफरतजघन्यजगजालरे सोहैदेवअठारदूषनरहितताकोवनारसीकरैमेरी
वंदनात्रिकालरे दूषनअठारहरहितसोकेवलीसजोग ज
नमसरनजाकेनहीनिद्रानयरोग नहिनिद्रानयरोग रमोग विस्मयनमोरूपति अरोषदूसरेदनाहि
मदवैरविषैरति विनानाहिमनेरूजाहिअरूपासनलषन थिरसमाधिसुषमात्तरहितअठारदूषन
वानी अरूनिरक्षरीमधुरषातुमलनाहि कमरामनषनहिखेदपरमऊरारिकमाहि परमऊ ४५
दारकमाहिजोहिंद्रियविकारलसि जथाखातचारितघ्यानथिरमुकलध्यानसासि लोकालोकप्रकास
सुनकेवलरजधानी सोतेरमगुनथानऊरूआतिसयमयावानी यरूसजोगगुनथानकी

रचनाकरी अनूप अवसजोगकेवलकथाकछुयुथारथरूप
जरूकरूजीवकोअसातादरसातानहिकारूकोअसातानहिसातादरपाइये मनवचका
यसोअनीतसयोजरूजीवजाकोउसगीनजगजीतरूपगाईये जामेवमछलनकीसत्ताजोगजिनकीसी
अंतकालहैसमैमेमकलधिपाईये जाकोधुनिपंचलघुअछरथवानसाईवोदरूआगमगुनवानाउदरा
इये नोरगुनघानकदसा जगवासी
निवनरूत आश्रवसंवरनाविधि वंधमोषकेभरूत अ
आश्रवसंवरपरनतिजोसो जगतनिवासी चेतनतोजो आश्रवसंवरविधिविचरा दाकतोपथमिवपथ
धारा आश्रवरूपवंधउतपाता संवरपानमोषपदपाता जासंवरमो आश्रवछीजे ताकोनमस्का
रूयवछीजे जगतकछानी रीतिकैरसागुमानी असोआश्रव
अमुरदुषदानी परतनीमरे ताकोपरनापथकिवकोपरगटभयाधर्मकोधरेपाकपरोगकारूकीमरू
ताकेपरनावआगेनागपरनावसवनागरनवनमुषसागरकीमीमरू संवरकारूपधरेसाधेसिवराह
धरेआसापानपातिमारूताकोमरीतमलीमरू सयोमसर
नलाषा वरनीगुनथानकछीषा वरनऊआरकछोकरिए जथामऊतिकहिचुपकैरहिए ल
रिएउरनथथवदधिका जथाकहिएतोसोअधिका तातेनारकअगमअपारा अलपकवीमुरवीमत
धारा मघमारनारकअकछ कवीकीमतिलघुछ तातेकछुतवनारसी थरनकथनकाछ
जेसेकोऊएकाकीमुलटपराक्रमकरेजीतकहिनतिचक्रीक
टकमोवरनेछो जेसेकोऊपरवीनताकूनुजआमूलरनरेकेसस्वयभूरमनमधुतरनो जेसेकोऊजहिमी

विचक्षणस्वीकृत निमहिनपामकशरसलीने रूपचंदपंडितप्रथम तुतीयचउजिनाम तृतीयचरण
तीदासनर कोरपालयुतधाम धरमदासएपंचजन मिलिबैठेइकठोर परमारथचरचाकरे इन्ह
केकथानठोर कबरूनाटकरससुनहि कबरूठोरसिद्धंत कबरूविमिवनाइके कहेबोधविर
तंत जितकोराकेकथरहधरू सुमतिलगातीदास कुलस्यावधिरत ॥
सए रूपचंदपरगास इहविधिधानप्रगटभयो नगरआगरमांहि देसदसमांहिविख्
हो दृषारेसभानांहि जहतहंजिनवानिफिली लखेबूझेजाकीमतिभेली जाकेसहु
जबोधउतपाता सोतनकालसबैयल्याता घटघटअंतरजिनवसे घटघटअंतर
तेन मतमतिराकेपानमें मतवालासमुझेन चउबटाउकरलोकीजे कारनरूप
बातकहिलीजे नगरआगरमांहिविख्याता बनारसीनामगुनघुगपाता तामेकवितकला
बचुराई कृपाकरेएपांचोभाई पंचप्रपंचरहितहियधोले तेबनारसीदासीधुभ्राता ना
टकसमैसारहितजीका मुगमरूपराजमलीटीका कवितबचरचनाजोहेइ भाषाग्रंथपढेसब
कोई तबबनारसीमनमाह्यानी कीजेतोप्रगटेजिनवानी पंचपुरुषकीआपा
खानी कवितबंधकीरचनाकीनी सोरसैतिरासवेवीते आगूमासमितपक्षविती
ते तिथितेरसरविवारप्रवीना नाटकग्रंथसमापतकीना मुखनिश्चलसऊबंधुर
साहिबसाहकिरान सरूसाहमिरिमुकुटमनि साहजहांसुतनान जाकेराजसुचे
नसों कीनोआगमसार इतनीतिहांपीतही यहउनकोउपगार
तीनसैदसोत्तरसोरठा दोहाछंदोकयुगल सपेतालीसकतीसाह्यानेहे

छियासीमृचोपेएसेतीमतेइमेसवेयाएवीसछप्पेअक्षरहकवितवषानेहे मातकुनिरूपणि
त्रेचारिकुंकलिएमिलेसकलमातमेमताईसतीकवानेहे चत्रीसअक्षरकमिलाककीनता
कलेषेग्रंथसंष्यासचरूसेसातअधिकानेहे समेसारआतमदरस नाटकना
वच्छनंतमोक्षआगमनामभें परमारथविरतंत

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

हथीवालामिंदर